शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

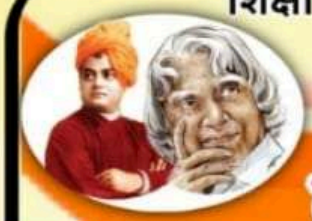

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2201 से 2300

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

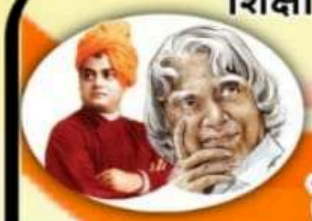

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2201 से 2300

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2201

दिनांक 09/07/2021

दिन शुक्रवार

मेरे प्यारे पापा

मेरे प्यारे पापा,
दिल के न्यारे पापा।
लगते भोले-भाले पापा,
हम बच्चों के रखवाले पापा।।

दिन भर मेहनत करते,
प्यार से सबसे मिलते।
ईमानदारी से जीवन जीते,
नैतिकता की सीख देते।।

सदा सैर कराते रहते,
फल भी लेकर आते।
ऑफिस समय से जाते,
केक, मिठाई लाते।।

माँ की खुशियों के तारे,
दादा-दादी के राज दुलारे।
हम सबके प्यारे,
आसमान के तारे।।

रचना-
मिथिलेश कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० बसनी, बड़ागाँव
जनपद- वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

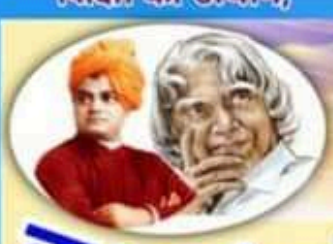

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2202

दिनांक 09/07/2021

दिन शुक्रवार

'बस की सवारी'

जाना है मुझे नानी पास,
मम्मी ना तोड़ो मेरी आस।
बस में बैठी नहीं कभी,
इच्छा है यह दबी-दबी।।

बस में जो मैं बैठूँगी,
दुनिया-जहान मैं देखूँगी।
खिड़की वाली जगह मिलेगी,
खुशी मुझे बहुत मिलेगी।।

बस गुजरेगी गाँव-गाँव,
शहर नये दिखाएगी।
समतल हो या ऊबड़-खाबड़,
हर भूमि पर जाएगी।।

छोटी हूँ, टिकट नहीं लगेगी,
फ्री में घूमने जाऊँगी।
पहुँचूँगी जो नानी के घर,
खूब मजे उड़ाऊँगी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2203

दिनांक दिन

09/07/2021 शुक्रवार

मिशन प्रेरणा

प्रेरणा का मैं सिपाही,
कर रहा पुरजोर कोशिश,
जोड़ पाऊँ हर कड़ी को,
मैं सदा यह सोचता हूँ।।

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

प्रेरणा मेरा ना तेरा,
बस मिशन पर ध्यान करता।
प्रेरणा बस एक दिल में,
मैं उसे गतिमान करता।।

मैं उसी के प्रेरणा से,
हूँ लगा पुरजोर मन से।
कर सकूँ कुछ काम ऐसा,
जो बाल-मन काम आये।।

मन समर्पित, तन समर्पित
और यह जीवन समर्पित।
चाहता हूँ मैं हृदय से,
ये मिशन उत्थान पाये।।

रचना

अनिल कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० तिलियानी 2
मीश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2204

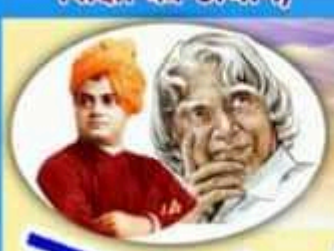

दिनांक 09/07/2021 दिन शुक्रवार

बाल आग्रह

मैडम कब खुलेंगे स्कूल?
हमसे ऐसी हुई क्या भूल?
छुट्टी अब लगती है शूल,
मुरझा ना जाएँ हम छोटे फूल।।

प्रातः सूरज का निकलना,
लालिमा फैलाकर हमें जगाना।
नित्य कर्म प्रतिदिन करके,
तैयार होकर अपने स्कूल जाना।।

स्कूल में ईश-वन्दना करना,
योगा करके सामान्य ज्ञान पढ़ना।
याद आये कक्षा में मित्रों संग रहना,
कहाँ खो गया अब किससे कहना।।

मैडम जल्दी से स्कूल खुलवाओ,
हम बच्चों को अपने पास बुलाओ।
कर जोड़ विनती है हमको ना भुलाओ,
ज्ञानवान हमको आप ही बनाओ।।

रचना-
नम्रता श्रीवास्तव (प्र०अ०)
प्रा० वि० बड़ेहा स्योंढा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

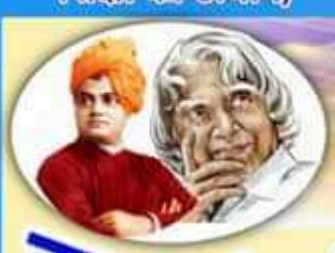

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2205

दिनांक 09.07.2021 दिन शुक्रवार

बच्चे मन के सच्चे

हम हैं बच्चे मन के सच्चे,
करते काम बड़े ही अच्छे।
सुबह सवेरे हम उठ जाते,
नहा-धोकर पढ़ने जाते।।

घर पर रहकर उधम मचाते,
नाच-खेल पर खूब हँसाते।
खेलकूद के जब थक जाते,
माँ की गोदी में हम जाते।

मम्मी-पापा और दादा-दादी,
भाई-बहन और चाचा-चाची।
सबके साथ मे हम मिलजुलकर,
मस्ती से हर पर्व मनाते।।

रचना
रविन्द्र कुमार सिरोही
(ए० आर० पी०)
बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2206

दिनांक 09.07.2021 दिन शुक्रवार

नन्हीं चिड़िया

नन्हीं चिड़िया आँगन में जब,
दाना खाने आयी थी।
रूप देखकर उसका मैं तब,
मन ही मन मुस्कायी थी।।

उसके आने में कुछ शायद,
भेद छिपा था कोई गहरा।
यही पहेली सुलझाने को,
लगा दिया मैंने पहरा।।

छोटे-छोटे तिनके लेकर,
नन्हीं चिड़िया आती रहती।
एक पेड़ की डाली का वह,
दिन भर में कई फेरे करती।।

धीरे-धीरे मैंने देखा,
नन्हीं चिड़िया का इक नीड़।
जिसको देखने लगी हुई थी,
घर-बाहर बच्चों की भीड़।।

रचना
अमिता क्वीरा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० अमृतपुर
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2207

दिनांक 09/07/2021 दिन शुक्रवार

बेटी और वेदी

जब मैं हाल माँ को थी बताती,
नया घर कह मेरा मन थी बहलाती।
चुप-गुम-सुम मैं सब सुनती जाती,
दो-चार किस्से पड़ोस के वो गिनवाती।।

पापा से तुम कुछ मत कहना,
बेटी फर्ज है तेरा सब सहना।
जानती हो ना तुम पापा को,
गुस्सा उनको खूब है आता।।

औरत धर्म यही है बेटी,
चुप रह वो गृहस्थी सँजोती।
मायके की लाज है रखती,
ना गिला-शिकवा कभी वो करती।।

आज मैं अपने कर्म पथ पर बढ़ी,
ना तुम्हारी छाती पर आ बैठी।
बहु-बेटी का हर फर्ज निभा,
इस दुनिया से चल-बसी।।

रचना- अभिलाषा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० गंगोह नं० 2
गंगोह, सहारनपुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन 2208
दिनांक 09.07.2021 दिन शुक्रवार

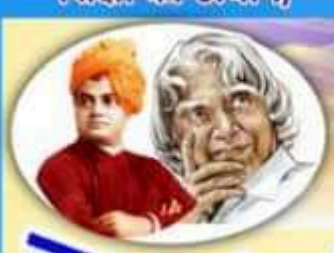

दिलीप कुमार

हिन्दी फिल्मों के सुपरस्टार,
अभिनेता वह जाने-माने थे।
ट्रेजेडी किंग के नाम से मशहूर,
वो दिलीप कुमार कहलाते थे।।

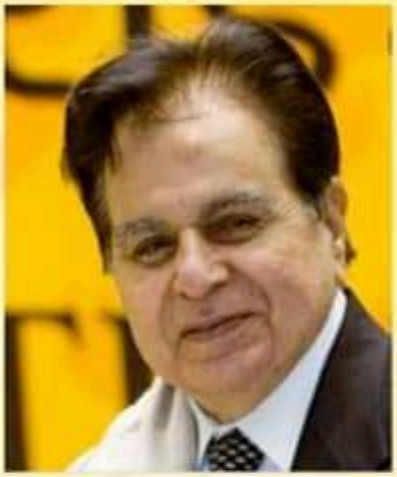

11 दिसम्बर 1922 को पेशावर में जन्मे,
वह फिल्मों के महान अदाकार।
हिन्दी फिल्मों में काम करके,
कहलाए सिनेमा के सुपरस्टार।।

भारतीय फिल्मों का सर्वोच्च सम्मान,
दादा साहब फाल्के पुरस्कार पाया।
पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान,
निशान-ए-इम्तियाज़ उन्होंने पाया।।

7 जुलाई 2021 को लम्बी बीमारी,
के कारण मुम्बई में निधन हुआ।
सुपरस्टार दिलीप कुमार के जाने से,
सभी को दु:ख अपार हुआ।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा-प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

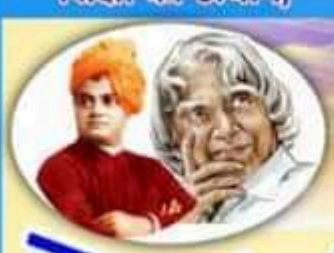

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2209

दिनांक 09.07.2021 दिन शुक्रवार

अपना स्कूल

तुम बिन सूना-सूना लागे,
अपना ये स्कूल प्यारा।
आओ सारे बच्चों आओ,
अपना है स्कूल न्यारा।।

खाली पड़ी कक्षाएँ सारी,
अब हमको नहीं भाती हैं।
जब भी पुस्तक खोले हम,
तो याद तुम्हारी आती है।।

सब्जी-रोटी, चावल-भात,
क्यों खाने नहीं आते हो।
वो लड़ना, झगड़ना तुम्हारा,
फिर क्यों नहीं चिल्लाते हो।।

पेन, पेंसिल, कॉपी नहीं है,
आकर नहीं बतलाते हो।
वो मीठी सी बोली तुम्हारी,
गाकर नहीं सुनाते हो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- रचना सिंह वानिया (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
रजपुरा, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद
दैनिक सृजन
काव्यांजलि 2210
दिनांक 10/07/2021 दिन शनिवार

फसल योजना

आओ बच्चों! तुम्हें बताएँ,
किसान योजना तुम्हें समझाएँ।
किसान सम्मान निधि योजना चलायी,
छोटे किसानों को 6000 राशि दिलायी।।

फसल बीमा योजना सहायक होती,
फसल बरबाद अगर सहायक होती।
सभी प्रकार की फसलों पर बीमा होता,
लागत का 2% प्रीमियम देना होता।।

7 दिन के अन्दर खातों में पैसा आता,
पर पहले उसका क्लेम किया जाता।
155261 हेल्पलाइन नम्बर याद रखना,
1800115526 टोल फ्री नम्बर ध्यान रखना।।

यह सब तुम कर ना पाओ,
तो बस इतना कराना।
01123381092 कृषि मंत्रालय,
नम्बर पर कॉल लगाना।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

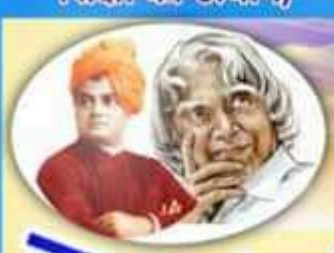

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2211

दिनांक 10.07.2021 दिन शनिवार

अलख जग रही है

मिशन प्रेरणा की अलख जग रही है,
धरा से गगन तक लहर उठ रही है।
आधारशिला बुनियाद बनाकर,
बच्चों को शिक्षित कर रही है।।

ध्यानाकर्षण में ध्यान लगाकर,
बच्चों का अधिगम बढ़ा रही है।
शिक्षण-संग्रह ज्ञान की गंगा,
शिक्षक मन को लुभा रही है।।

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

छः घटकों से सजी प्रेरणा,
शिक्षा की उत्कृष्ट कड़ी है।
सूची, लक्ष्य, तालिका मिलकर,
शिक्षण-अधिगम बढ़ा रही है।।

भाषा, गणित को सुदृढ़ करके,
ई-पाठशाला पढ़ा रही है।
नवल-ज्ञान हस्त-पुस्तिका ला रही है,
मिशन प्रेरणा की अलख जगा रही है।।

रचना
सुनीता यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० फत्तेपुर मीराबेहड़, हरगाँव, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

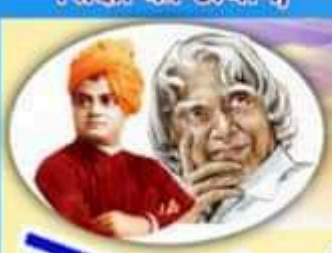

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2212

दिनांक 10/07/2021 दिन शनिवार

माँ सरस्वती वन्दना

मन-वीणा के तारों को माँ! क्रान्ति भरी झंकार दे,
जड़ता का उर विदलित करने वाली नव हुंकार दे।

उत्स निराशाओं के सूखे,
आशाओं के अंकुर फूटे।
विमल विभा भर ज्योतिर्मय कर,
विपुल ज्ञान भण्डार दे।।

शिक्षा के घन घिर-घिर बरसे,
प्रतिभा के प्रसून नित फूलें।
बाल सुमन अपनी सुगन्ध से,
चिर असीम सीमा को छू लें।।

दानवता से दूर रहे हम,
मानवता के सतत पुजारी।
धाराएँ प्रतिकूल बह रही,
फिर भी नाव न रूके हमारी।।

अम्ब भारती! झंझावातों में भी पार उतार दे,
मन-वीणा के तारों को माँ! क्रान्ति भरी झंकार दे।

रचना
श्रीमती शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

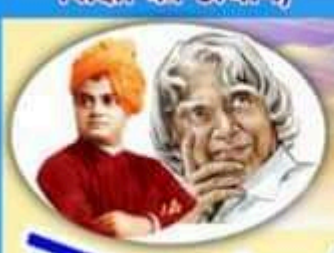

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2213

दिनांक 10.07.2021 दिन शनिवार

सावन

घुमड़-घुमड़ कर बादल छाए,
और उठी घनघोर घटाएँ।
फूलों पर भँवरे मंडराए,
देखो सावन धूम मचाएँ।।

बारिश की बूँदे जब पड़ती,
मिट्टी से खुशबू है उड़ती।
गर्मी से मिलती है राहत,
शीतलता की होती चाहत।।

जब मौसम ने ली अँगड़ाई,
बच्चों ने भी राहत पायी।
बारिश का आनन्द उठाते,
कागज की है नाव चलाते।।

पेड़ों की डालों पर झूले,
देख मुसाफिर रास्ता भूले।
हरियाली की ओढ़े चादर,
धरती पर बरसे हैं बादल।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

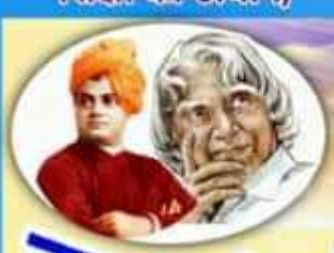

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2214

दिनांक 10/07/2021 दिन शनिवार

विलोम शब्द

आओ बच्चों तुम्हें सिखाएँ,
कुछ ऐसे शब्दों को बताएँ।
जो होते हैं एक-दूसरे के उल्टे,
विलोम शब्द वे ही कहलाएँ।।

कुछ लोग जो दूर होते,
झट हमारे पास आ जाते।
सड़क में चलना बाँयी ओर,
दाएँ हाथ से लिखते जाते।।

सीढ़ी से हम ऊपर जाते,
सीढ़ी से हम नीचे आते।
कद्दू होता है मोटा सा,
लौकी पतली सी बताते।।

दिन में हम सब पढ़ते हैं,
रात में हम सब सोते हैं।
हमेशा हमें है रहना हँसते,
अच्छे बच्चे मुसीबत में ना रोते।।

रचना-

सुगन्धा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2215

दिनांक 10/07/2021 दिन शनिवार

हम हैं भारत के निवासी

हम हैं भारत के निवासी,
अच्छे लोगों के सच्चे साथी।
चलो भारत के राष्ट्र ध्वज से मिलवाएँ,
तिरंगे के तीन रंग से परिचय करवाएँ।।

केसरिया है बलिदान का प्रतीक,
सफेद से मिले शान्ति की सीख।
सुन लो बच्चों कभी न घबराओ,
हरे रंग से दिल में दीप जलाओ।।

हम हैं भारत के निवासी,
अच्छे लोगों के सच्चे साथी।
खून हम सबका एक है,
लेकिन क्यों? करते भेदभाव अनेक हैं।।

चलो आज एक कसम खाएँ,
इस भेदभाव को जड़ से मिटाएँ।
हाथों में लेकर एक दूजे का हाथ,
आओ चलें हम साथ-साथ।।

रचना :- अर्चिता शर्मा (छात्रा)
कम्पोजिट स्कूल हरगढ़
छानबे, मिर्जापुर

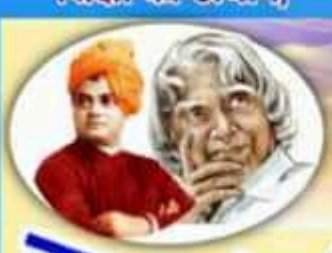

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2216

दिनांक 10.07.2021

दिन शनिवार

मोर-मोरनी

मोर-मोरनी का था जोड़ा,
सुन्दर बड़ा सजीला।
शरारती नटखट चंचल से,
मोर बड़ा रंगीला।।

रंग-रंगीला रूप सुहाना,
नीलकण्ठ और राधा।
इनके नखरे देख-देख के
याद आ जाते कृष्ण और राधा।।

कितने सारे पशु-पक्षी,
पाले अपने पास थे।
आनन्दित हो खूब खेलते
रहते वे सब साथ थे।।

रचना-:
गौरव जोशी (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

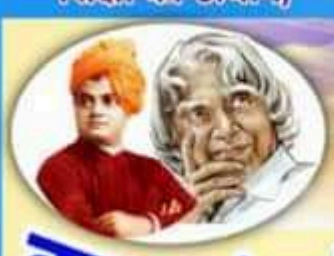

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2217

दिनांक 10.07.2021 दिन शनिवार

आशीर्वाद

हमारे दिल में बसती,
वो हमारी सन्तान है।
संस्कारी, योग्य, वो सभ्य,
बड़ी प्रतिभावान है।।

हमारे मन को यूँ मिली है,
प्रसन्नता उसे पाकर,
आशीषों से भरी गोदी,
'निशान्त' स्वाभिमान है।।

सहजता उसमें इतनी है,
कि मैं तो कह नहीं सकती।
प्रभू से प्रार्थना है सदा मिले,
उसको वरदान है।।

उन्नति वो करे उत्तम,
सहजता से जिये जीवन,
उम्र पूरी स्वस्थ तन-मन,
मिले ऊँचा स्थान है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2218

दिनांक 12.07.2021 दिन सोमवार

बच्चों ने जब नाम कमाया

रोज-रोज मेहनत कर पैसा कमाया,
एक-एक करके जो रुपया बचाया।
माता-पिता ने कुछ भूखे पेट रह कर,
अपने सारे बच्चों को ढंग से पढ़ाया।।

बड़े हो बच्चों ने जब नाम कमाया,
मात-पिता का सीना चौड़ा हो आया।
कड़ी मेहनत का फल मिला जो देर से,
बड़ा मजा आया जी, बड़ा मजा आया।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि० भटियार,
वि० क्षे०- निधौली कलां, जनपद- एटा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2219

दिनांक 12.07.2021 दिन सोमवार

बेल पत्थर

बेल पत्थर बहुत लाभकारी,
फल भारत में पाया जाता है।
रोगों को नष्ट करने की क्षमता,
होने से बिल्व भी कहा जाता है।।

ये फल माह मार्च से मई तक,
के बीच में आ जाता है।
ऐग्ले मार्मेलोस वैज्ञानिक,
नाम से इसे जाना जाता है।।

धार्मिक दृष्टि से इसका बहुत,
महत्वपूर्ण स्थान माना जाता।
इसका पेड़ मन्दिरों के पास,
भी खूब लगाया जाता।।

बेल के रस पीने से दिल से,
जुड़ी बीमारियाँ दूर होती हैं।
गर्मी में ठण्डक पैदा करता,
गैस, कब्ज समस्या दूर होती है।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2220

दिनांक 12.07.2021 दिन सोमवार

जनसंख्या नियन्त्रण जरुरी है

जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम,
ध्वस्त हुई शिक्षा, चिकित्सा व्यवस्था।
घटते संसाधन जीवन जीने के,
बढ़ी बेरोजगारी, हुई कमजोर अर्थव्यवस्था।।

अब है जनसंख्या नियन्त्रण जरुरी,
इसमें हम सब की है भलाई।
हम दो हमारे दो का सिद्धान्त,
अपनाने की अब बारी आयी।।

लड़का-लड़की में भेद ना करें,
परिवार सीमित कर खुशियाँ मनाएँ।
अच्छी शिक्षा-दीक्षा से बच्चों का,
भावी जीवन मंगलमय बनाएँ।।

होंगे जब सीमित परिवार,
ना रहेगा कोई बेरोजगार।
अन्न-धन की कोई कमी ना होगी,
विकसित देश का सपना होगा साकार।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

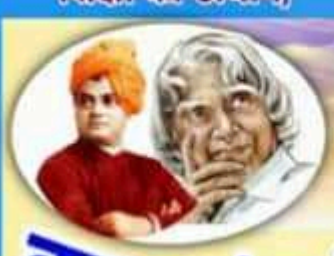

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2121

दिनांक 12.07.2021

दिन सोमवार

प्यारे फूल

कितने सुन्दर प्यारे फूल,
रंग-बिरंगे प्यारे फूल।
मेरे मन को भाते फूल,
सुबह सवेरे खिलते फूल।।

लाल, गुलाबी, पीले फूल,
सफेद, धानी, नीले फूल।
गमलों में सजते हैं फूल,
बागों में खिलते हैं फूल।।

भौंरे, तितलियाँ खूब मण्डराते,
फूल कली पर इतराते, इठलाते।
सुन्दर सुगन्धित खुशबू बिखराते,
मन को अति खुश कर जाते।।

रचना- कु० अनुष्का (छात्रा)
कक्षा-5
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2222

दिनांक 12.07.2021 दिन सोमवार

आओ दिखाएँ रेल

सब बच्चे करते हैं खेल,
आओ दिखाएँ तुमको रेल।
रेल का इंजन डोल रहा है,
छुक-छुक, छुक-छुक बोल रहा है।।

चिन्टू-मिन्टू, बबलू-डबलू,
आओ पिंकी, आओ गोलू।
सब बैठे, करें इसमें खेल,
आओ दिखाएँ तुमको रेल।।

इंजन देखो जोर से भागा,
सैर-सपाटा, धूम-धड़ाका।
करते हो गया इनका खेल,
आओ दिखाएँ तुमको रेल।।

सीटी बजाकर, झण्डी दिखाकर,
सब बच्चों को संग में लाकर।
आ गयी है स्कूल-मेल,
आओ दिखाएँ तुमको रेल।।

रचना
निधि सिंह (स०अ०)
संविलयित विद्यालय, कचूरा
पिसावां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2223

दिनांक 12/07/2021 दिन सोमवार

महापुरुष-उपाधि

"बाबा साहब" कहे जाते भीमराव अम्बेडकर,
"स्वर कोकिला" हमारी लता मंगेशकर।
"उड़न सिख" कहलाते मिल्खा सिंह,
"शहीद-ए-आज़म" सरदार भगत सिंह।।

"चाचा" कहे जाते जवाहर लाल नेहरू,
"भारत कोकिला" सरोजिनी नायडू।
"छत्रपति" कहे जाते वीर शिवाजी,
"शान्ति पुरुष" श्री लाल बहादुर शास्त्री।।

"गुरुदेव" कहे जाते रविन्द्र नाथ टैगोर,
"नेता जी" हमारे सुभाषचन्द्र बोस।
लाला लाजपतराय को कहें "पंजाब केसरी",
पी० टी० उषा भारत की "उड़नपरी"।।

खान अब्दुल गफ्फार खाँ "सीमान्त गाँधी,
"बापू" हमारे मोहनदास करमचन्द गाँधी।
"देशबन्धु" कहे जाते चितरन्जन दास,
याद करो बच्चों! सब हो जाओ पास।।

रचना: रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2224

दिनांक 12/07/2021 दिन सोमवार

दर्पण

मैं दर्पण हूँ,
हाँ! मैं दर्पण हूँ।
आईना भी मैं ही हूँ,
सबका रूप संवारता हूँ।।

मैं तुम्हें, तुम्हारे होने का,
एहसास बखूबी दिलाता हूँ।
कमियाँ सुधारने का,
हर अवसर याद दिलाता हूँ।।

बनो तुम भी मुझ ही जैसा,
तमन्ना है यह दिली मेरी।
मेरे कार्यों के जैस ही,
खूबसूरती हो दिलों की तेरी।।

रचना- अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2225

दिनांक 13/07/2021 दिन मंगलवार

प्यारे बच्चे

आओ बच्चों! तुम मेरे,
भारत की तकदीर हो।
बदल देंगे जो दुनिया को,
तुम ऐसी तस्वीर हो।।

तुम देश के भाग्यविधाता हो,
तुम अमूल्य सुख के दाता हो।
कौन है ऐसा इस जग में?
जो बिन तुम्हारे रह पाता हो।।

मुस्कान तुम्हारी निश्छल है,
शक्ति तुम्हारी अविचल है।
तुम हो भारत के कर्णधार,
तुम जैसा होना मुश्किल है।।

नहीं मन में द्वेष, ना कोई घृणा,
सब जग लगता है तुम्हें अपना।
तुमसे सीखें सब खुश रहना,
हँसते हुए चोटों को सहना।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2226

दिनांक 13/07/2021 दिन मंगलवार

दिलीप कुमार

ग्यारह दिसम्बर उन्नीस सौ बाइस में,
मोहम्मद युसूफ खान ने जन्म लिया।
पाकिस्तान के पेशावर में बचपन बीता,
और भारत आ फिल्मों में काम किया॥

तक़दीर बनाने को फिल्मों में नाम बदला,
"दिलीप कुमार" नाम से काम किया।
1966 में सायरा बानो से किया निकाह,
2000 में राजनीति में भी प्रयास किया॥

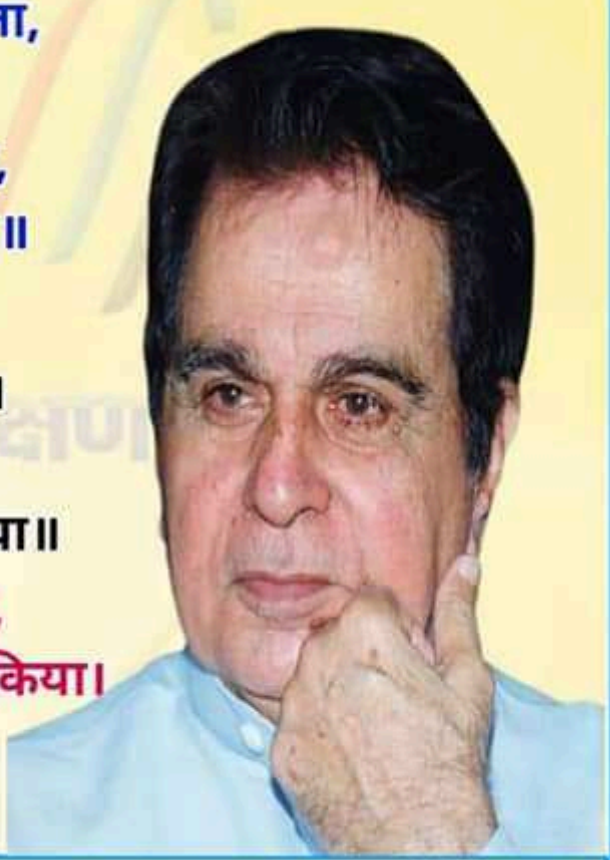

सम्मानित हुए कई पुरस्कारों से,
ऐसा अद्भुत अभिनय फिल्मों में किया।
विभिन्न किरदारों को निभाकर इन्होंने,
दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त किया॥

"ज्वार-भाटा" फिल्म से करके आगाज,
फिल्म "किला" से अभिनय का अन्त किया।
7 जुलाई 2021 को दिलीप साहब ने,
अपने नश्वर शरीर का त्याग किया॥

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

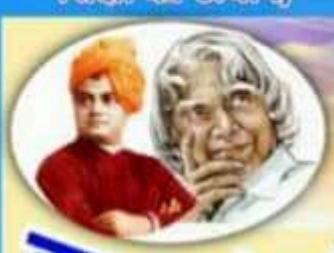

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2227

दिनांक 13.07.2021 दिन मंगलवार

रंग

दुनिया में अनेक रंग,
बोलो तुम्हें कौन सा पसन्द।
लाल, हरा, पीला, नीला,
अच्छे लगते संग-संग।।

प्यारे-प्यारे रंगों को देख,
पुलकित होता है अंग-अंग।
रंगों से ही सीखते हैं हम,
जीवन जीने के नये ढंग।।

सफेद, आसमानी और धानी,
जैसे लहरों की एक तरंग।
रंग-बिरंगी दुनिया देख,
मन में उठती नयी उमंग।।

उदासी को करते हैं दूर,
सूनेपन को करते हैं भंग।
खुशहाली की पहचान हैं ये,
जैसे उड़ती नभ में पतंग।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर,
निधौली कलां, जनपद- एटा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

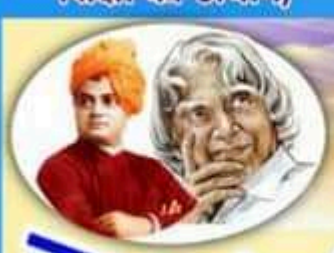

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2228

दिनांक 13/07/2021

दिन मंगलवार

परचम लहराओ

बदलेंगे शिक्षा की डोर,
शिक्षक चले डोर टू डोर।
गली-मोहल्ले में अब शोर,
बच्चे पढ़ें लगाकर जोर।।

टी० वी० और मोबाइल का संचार,
शिक्षा का है उत्तम हथियार।
शिक्षक समझाते है पुरजोर,
इनकी शिक्षा गूँजे चहुँओर।।

हर इल्म सीखे हर बच्चा।।
ज्ञान में कभी न होगा कच्चा,
अब पढ़ो रीड एलाँग से भैया।
स्वयं पार करो पढ़ाई की नैया।।

दीक्षा एप भी है सुन्दर साधन।।
तुम्हारा लगता नहीं है धन,
अब घर बैठे शिक्षा तुम पाओ।
जीवन को खुशहाल बनाओ।।

जग में उजियारा फैलाओ,
दीक्षित होकर धन कमाओ।।
मात-पिता का सम्मान बढ़ाओ,
जब शिक्षा का परचम लहराओ।।

रचना
सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
रामपुर मथुरा, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2229

दिनांक 13/07/2021 दिन मंगलवार

'रेलगाड़ी'

स्टेशन पर जो है आती,
छुक-छुक आवाज वह करती।
हजारों यात्री है बिठाती,
रेलगाड़ी वह कहलाती।।

कितने गाँव, शहर दिखाती,
उनके हमें नाम बतलाती।
चलने की आजादी देती,
सुविधा सब इसमें मिल जाती।।

हजारों मील जल्दी पहुँचाती,
ना ज्यादा यह समय लगाती।
अलग प्रान्त के लोग हैं मिलते,
नये-नये अनुभव हैं मिलते।।

बिना टिकट कभी ना बैठो,
इस नियम का पालन करना।
अमानत सभी की है यह लोगों,
नुकसान कभी ना इसका करना।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

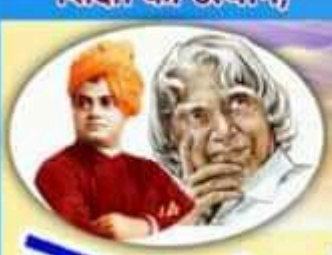

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2230

दिनांक 13/07/2021 दिन मंगलवार

रानी की कहानी

मेरे सपनों में आयी रानी,
सुना रही थी मुझे कहानी।
कहानी में थे राजा-रानी,
सुनाओ नानी की कहानी।।

कहानी होती जीवन का आधार,
इनसे पाते हम बल अपार।
यह हमको शिक्षा है देती,
हो जाता है बेड़ा पार।।

मैंने सुनी लक्ष्मीबाई की कहानी,
जो थी बहुत वीर-मर्दानी।
अंग्रेजों से बहुत लड़ी थी,
याद दिलायी जिसने नानी।।

हमको बनना है रानी-सा,
बहादुर और चट्टान जैसा।
मुसीबत का सामना करेंगे,
चाहे मौसम हो कोई-सा।।

रचना-
मितिषा श्रीवास्तव (छात्रा)
कक्षा- 4
वि० नि० मे० पब्लिक स्कूल
बाँदा

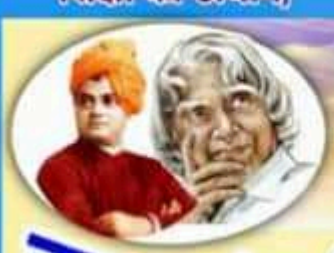

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2231

दिनांक 13.07.2021 दिन मंगलवार

गुड़िया और गुड्डा

छोटी सी गुड़िया नाचे छमा-छम,
बाजे पायलिया छम-छम-छम।
ब्याह रचाया, डोली बैठाया,
रोयी ये गुड़िया झर-झर-झर।।

गुड़िया को लेकर गुड्डे ने गाना गाया,
नाची ये गुड़िया छम-छम-छम।
गुड्डे तबला आप बजा दो,
ढोलक मैं बजाऊँगी डम-डम-डम।।

ताक धिना-धिन तबला बाजे,
ढम -ढम-ढम ढोलक बाजे।
बाबुल ने विदा की ससुराल घर चली,
गुड़िया-गुड्डे को लेकर झट बगिया को चली।।

छोटी सी गुड़िया नाचे छमा-छम,
बाजे पायलिया छम-छम-छम।

रचना :-
दीपिका चौसाली (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० विरकाणा
कनालीछीना, पिथौरागढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2232

दिनांक 13-07-2021 दिन मंगलवार

गणेश वन्दना

हे गजानन! हे एकाक्षर!
एकदन्त पावन है नाम।
प्रथम पूज्य है महादेवा,
करते हैं सब जन प्रणाम।।

तुमको प्रिय है मोदक,
कपित्थ जम्बू फल भक्षक।
मूषक करें आपको प्रणाम,
गणों के प्यारे रक्षक।।

हे गौरी सुत! हे विघ्नेश्वर!
सभी पुकारें आपका नाम।
हरते माँ उमा का शोक,
शीश झुका करें प्रणाम।।

मात-पिता की आपने,
पल में की परिक्रमा।
हम सब बालक आपके,
रिद्धि-सिद्धि हैं अनुपमा।।

रचना

गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2233

दिनांक 14.07.2021 दिन बुधवार

जानवरों के नाम..

बन्दर हिन्दी, इंग्लिश Monkey,
अंग्रेजी में गधा है Donkey.
सुअर को कहते हैं हम hog,
भौं-भौं करता आया dog.

जंगल में रहता है Deer,
भालू को कहते हैं Bear.
म्याऊँ-म्याऊँ करती Cat,
देखके उसको भागा Rat.

Lion है जंगल का राजा,
Rabbit उछल-कूद कर भागा।
बड़ी चतुर होती है Fox,
बैल को कहते हैं हम Ox.

भेड़ Sheep कहलाती है,
Elephant तो हाथी है।
घोड़ी को कहते हैं Mare,
राष्ट्रीय पशु है Tiger.

रचना-
अनुपमा यादव (स०अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम,
शीतलपुर, जनपद- एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

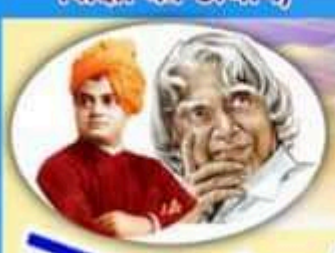

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2234

दिनांक 14.07.2021 दिन बुधवार

मेरा स्कूल भाग - 2

अक्षर-अक्षर शब्द बना,
और शब्द-शब्द मनभावन।
मन की इच्छा ऐसे बहके,
जैसे अतुल बहे धन।।

साथ अपने ज्ञान की गगरी,
साथ पुस्तक की गठरी।
इस गठरी में ढूँढने निकले,
अपने जीवन की नगरी।।

ये गठरी अनमोल है अपनी,
इसमें जीवन का है धन।
ये मेरे स्कूल का आँगन,
ये मेरे स्कूल का प्राँगण।।

रचना-
नाम- दिव्याँशु (छात्र)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग, चमोली

अपनी पाठशाला

बच्चों! अपने देश का नाम,
भारत प्यारा-प्यारा जानो।
बात चले अगर प्रदेश की,
उत्तर प्रदेश इसको मानो।।

पूँछे कोई नाम जिले का,
तो बाँदा जिला बताओ।
ब्लॉक की बात जब आये,
बड़ोखर खुर्द समझाओ।।

अब आयी है गाँव की बारी,
सब चिल्ली कहो बारी-बारी।
स्वच्छ साफ और प्यारा-प्यारा,
चिल्ली है एक गाँव हमारा।।

बच्चों! अब विद्यालय की बारी,
अमूल्य धरोहर है जो हमारी।
कम्पोजिट विद्यालय चिल्ली ऐसा,
हरा-भरा लगता है नर्सरी-सा।।

रचना-
अंजली गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय चिल्ली
बडोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2236

दिनांक दिन
बुधवार 14.07.2021

वृक्षारोपण

वृक्षों से हो हमको प्यार,
वृक्ष लगाये हम दो चार।
धरती माँ की यही पुकार
वृक्ष लगाएँ हम हर बार।।

वृक्षों को ना काटो भाई,
इनके कारण बारिश आयी।
जल चक्र को ठीक ये करते,
मिट्टी को मजबूत ये करते।।

इनसे होता जीवन धन्य,
हमको मिलते फल और अन्न।
वायु को है शुद्ध ये करते,
प्राणवायु से जीवन भरते।।

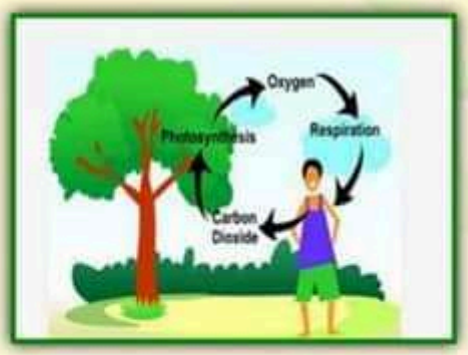

इनसे से मिलती ठण्डी छाया,
धरती को मिलती सुन्दर काया।
सब मिल धरती को स्वर्ग बनाएँ,
आओ वृक्षों से इसे सजाएँ।।

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2237

दिनांक 14.07.2021 दिन बुधवार

ध्यानाकर्षण माड्यूल

भिन्न-भिन्न बुद्धि के बालक,
एक कक्षा में रहते मौजूद।
ठीक तरह से समझ सकें वे,
एक शिक्षक का यही वजूद।।

चार भागों में है आवंटित,
ध्यानाकर्षण यह माड्यूल।
आई० सी० टी० अरु नवाचार ही,
ध्यानाकर्षण का है मूल।।

लर्निंग आउटकम से करें आंकलन,
किस हद तक बच्चों की प्राप्ति।
नाना विधियाँ अपनाकर इसको,
हर बच्चे को हो जाए सम्प्राप्ति।।

अभिभावकों का अनपढ़ होना,
ज्ञानेन्द्रियों में होना विकार।
अरुचि पूर्ण शिक्षण का होना,
ध्यानाकर्षण के बनते आधार।।

रचना- बी० डी० सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय- मदुरी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2238

दिनांक 14.07.2021

दिन बुधवार

जनसंख्या नियन्त्रण

विश्व की जनसंख्या देखो,
सात अरब से पार हो गयी।
बढ़ती जनसंख्या से देखो,
दुनिया ये लाचार हो गयी।

भ्रष्टाचार और बेरोजगार से,
सब व्यवस्थाएँ बंटाधार हो गयी।
सन्तुलन बिगड़ गया धरती का,
परिस्थिति विषम विकार हो गयी।।।

जनसंख्या पर करें नियन्त्रण,
हर जगह भीड़ भरमार हो गयी।
जब जागो तब होवे सवेरा,
वर्ना दुनिया ये लाचार हो गयी।।

प्रस्तुत
रविन्द्र कुमार सिरोही
(ए०आर०पी०)
बड़ौत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2239

दिनांक 14-07-2021 दिन बुधवार

बेटियाँ

बेटियों को शिक्षित बनाएँगे हम,
गुण सारे उनको सिखाएँगे हम।
कर सकें अपनी रक्षा खुद बेटियाँ,
आत्मरक्षा के हुनर सिखाएँगे हम।।

ना डरें ना रोएँ कभी भी बेटियाँ,
उनको सुदृढ़ इतना बनाएँगे हम।
रुप शक्ति का होतीं हैं ये बेटियाँ,
उनको शक्ति उनकी बताएँगे हम।।

जग का आधार और सार हैं बेटियाँ,
ये ज्ञान उनको कराएँगे हम।
कर सकें देश रक्षा ये बेटियाँ,
उनको फौलाद इतना बनाएँगे हम।।

जी सकें शान से जग में बेटियाँ।,
उनको अधिकार सारे दिलाएँगे हम।
खुले आसमान में सदा ही उड़ें बेटियाँ,
पंख आशा के उनको लगाएँगे हम।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

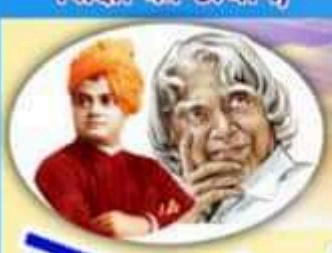

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2240

दिनांक 14-07-2021 दिन बुधवार

स्वयं से मिला करो

दुनिया से तो खूब मिलते हो,
अपने से भी मिलकर देखा करो।
स्वयं से स्वयं का मिलन जरूरी है,
मन निर्मल और सबल करा करो।।

शैक्षिक एप हितकारी हैं,
स्मार्ट फोन भी जरूरी है।
सीखना और सिखाना है,
मन नियन्त्रण पहले जरूरी है।।

विज्ञापनों में खोना मत,
झूठी बातों में आना मत।
पढ़ने में ही मन लगाना है,
ब्रह्मचर्य में ही रत रहना है।।

रोज-रोज अपने को गढ़ा करो,
प्रतिदिन ही तुम पढ़ा करो।
दोष अपने जानकर,
दूर उनको किया करो।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० - वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ,अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2241

दिनांक 14.07.2021 दिन बुधवार

खुद ही दीपक बनो

अँधेरे में जब कुछ दिखायी न दे,
वेदना से परे कुछ सुनायी न दे।
उन पलों में भी साथी न घबराओ तुम,
खुद ही दीपक बनो राह दिखलाओ तुम।।

जिन्दगी इस कदर आजमाती रही,
जाल पग-पग में मानो बिछाती रही।
जीत होगी हमारी अब मुस्काओ तुम,
खुद ही दीपक बनो राह दिखलाओ तुम।।

वक़्त माना कठिन पर गुजर जायेगा,
फिर वो सूरज नया बस नज़र आयेगा।
धैर्य से काम लो अब न अकुलाओ तुम,
खुद ही दीपक बनो राह दिखलाओ तुम।।

रचना- शशि कौशिक (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मटौर
दौराला, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

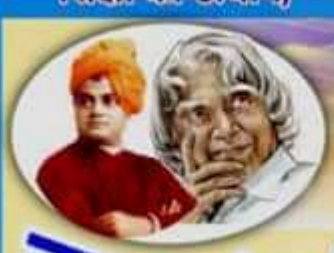

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2242

दिनांक 14/07/2021 दिन बुधवार

नदियाँ

कल-कल, छल-छल कर बहती,
यह पतित पावनी प्यारी नदियाँ।
हर प्राणी के जीवन का स्रोत है,
ये प्यारी-प्यारी न्यारी नदियाँ।।

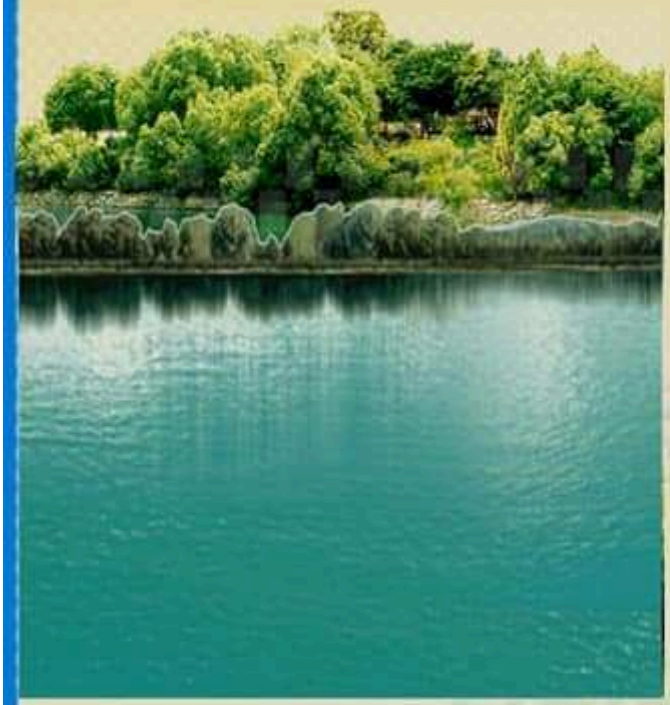

भारतवर्ष में ये पूजी जाती,
माँ कहकर हम इन्हें बुलाते।
इनकी तुम इज्जत करना सीखो,
प्रदूषण मुक्त रखो ये नदियाँ।।

मानव सभ्यता इनके किनारे जन्मी,
हम सबकी है ये जीवन दात्री।
खेती में भी सहायक होती,
ये निर्मल-निर्मल बहती नदियाँ।।

निकल पर्वतों से बहती ये,
सागर में मिल जाती हैं।
जिस राह से गुजरती जाएँ,
उस को उपजाऊ बनाती नदियाँ।।

रचना
स्वाति गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नाई
वि०क्षे० जगत, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2243

दिनांक 15/07/2021 दिन गुरुवार

मम्मी मेरी

मम्मी हमारी सबसे प्यारी,
खूब प्यार लुटाती हैं।
अच्छा-अच्छा भोजन बनाती,
हम सब को खिलाती हैं।।

भूखे हों तो दूध पिलाती,
रोते हों तो लोरी सुनाती।
पढ़ा-लिखा कर मम्मी हमको,
एक नया संसार दिलाती।।

नेहा यादव (छात्रा) कक्षा-8
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2244

दिनांक 15-07-2021 दिन गुरुवार

जो मैं नन्ही तितली होती

छुप कर बागों में जाती,
फूल-फूल पर मँडराती।
और मधुर रस उनका पीती,
जो मैं नन्ही तितली होती।।

बच्चों संग आँख-मिचौली करती,
हाथ किसी के भी ना आती।
इतना ऊँचा उड़ जाती,
जो मैं नन्ही तितली होती।।

खूब शरारत मैं भी करती,
माँ की डाँट ना मुझ पर पड़ती।
इठलाती, इतराती फिरती,
जो मैं नन्ही तितली होती।।

कोई ना बन्दिश मुझ पर होती,
काश कि मैं लड़की ना होती।
खुल कर अपना जीवन जीती,
जो मैं नन्ही तितली होती।।

रचना

स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2245

दिनांक 15/07/2021 दिन गुरुवार

तर्ज- जलाओ दिए पर ध्यान रहे

लगाओ धरा पर तुम वृक्ष इतने,
खाली धरा फिर कहीं रह न जाए।

वृक्षारोपण

ये चम्पा-चमेली हैं मेरी प्रिय सहेली,
मुझको बुलाएँ जब भी होती मैं अकेली।
खुशबू बिखेरें ये बनाकर के अपना,
कोई भी कोना कहीं रह न जाए।।

लगाओ धरा पर तुम वृक्ष इतने,
खाली धरा फिर कहीं रह न जाए।

द्वारे की नीम झूमे आँगन की तुलसी,
देवघर में पीपल डोले ध्यान धरे शिव जी।
आम, बरा, आँवला के रक्षा सूत्र बाँधना,
कोई भी इनको काटने न पाए।।

लगाओ धरा पर तुम वृक्ष इतने,
खाली धरा फिर कहीं रह न जाए।

रचना-
रीता गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० कलेक्टर पुरवा
महुआ, बाँदा

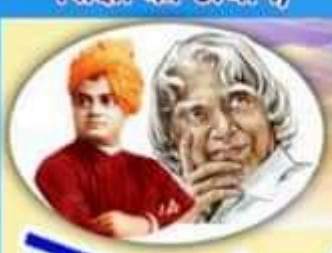

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2246

दिनांक 15.07.2021 दिन गुरुवार

कुछ नया करें

कुछ नया करें, कुछ नया करें,
कुछ अपने मन का काम करें।
कोई चित्र बना सकते हैं हम,
कोई गीत सुना सकते हैं हम।।

रिमझिम से ही कविता क्यों ?
पुस्तक से ही गणना क्यों ?
माँ की लोरी पर बात करें,
कुछ अपने मन का काम करें।।

कागज पर फूल बनायें क्यों ?
मिट्टी के मोती पिरोयें क्यों ?
पेड़ों पर बैठ कर बात करें,
कुछ अपने मन का काम करें।।

कुछ नया करें कुछ नया करें,
कुछ अपने मन का काम करें।
हर बार तुम्हारी ही क्यों करें ?
कुछ अपने मन का काम करें।।

रचना :-
अमिता क्वीरा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० अमृतपुर
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

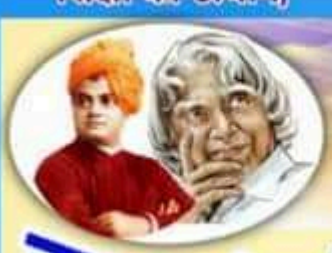

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2247

दिनांक 15/07/2021 दिन गुरुवार

किसान

एक किसान, धरा का मान,
जिसे न देता कोई सम्मान।
धरती में डाले अपनी जान,
पाता पग-पग पर अपमान।।

पसीने की बूंदें माथे पर,
उसके मोती सी चमकती हैं।
समेट कर डालता माटी में,
स्वर्ण सी बालियाँ दमकती है।।

इन बालियों में ही उनके,
वो सपने साकार होते हैं।
जिन्हें किसान पिछले कटाई से,
अपने हृदय में संजोते हैं।।

काश सभी को याद रहे,
वो थाली में जो खाना लेते हैं।
उसकी तैयारी में, किसान,
रात-दिवस एक कर देते हैं।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

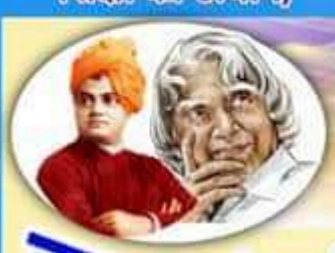

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2248

दिनांक 15.07.2021 दिन गुरुवार

घर-परिवार

घर, घर नहीं रहे, नहीं रहे वो परिवार,
जिनमें एक-दूजे संग होती थी तकरार।
फिर भी मन में नहीं था कोई भेदभाव,
इसीलिए रहती थी घर में खुशियाँ अपार।।

पर आज न जाने हमकों क्या हो गया है?
क्यों हर घर में बन गयी नफरत की दीवार?
हर कोई बस केवल एक ही बात दोहराये,
छोटा परिवार ही है सुखी परिवार।।

सिवाय आजादी के कोई एक कारण बताएँ,
जिसकी वजह से बुरा है संयुक्त परिवार।
अच्छे-बुरे वक्त में काम अपने ही आते,
दुःख हो जाता आधा बढ़ता खुशियों का संसार।।

आओ क्यों न एक बार फिर करें ये शुरुआत,
याद करें हम फिर से अपने पुरखों के विचार।
छोड़कर संकीर्ण मानसिकता हम सब,
फिर से अपनाएँ वही संयुक्त परिवार।।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचंदपुर (1-8)
खेकड़ा, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

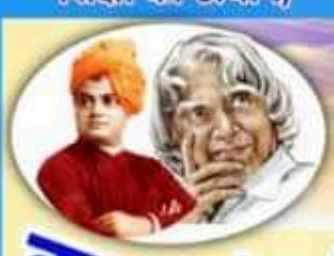

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2249

दिनांक	दिन
15-07-2021	गुरुवार

शिक्षक का गर्व

जहाँ थी वीरान सी जमीं,
आज छायी है हरियाली।
चारों तरफ फैल रही है,
खुशनुमा सी खुशहाली।।

हरे हरे वृक्षों की छाया,
सुगन्धित हवा बहने वाली।
सन्नाटे को तोड़ती आवाज़,
कानों में कुछ कहने वाली।।

विद्यालय के प्रांगण में हम,
दिन भर करते हैं काम।
प्यारे प्यारे बच्चों के साथ,
मिट जाती है हमारी थकान।।

खुश हो जाता है मन हमारा,
देश का भविष्य संवारकर।
हृदय कर्तव्य बोध से भरता है,
शिक्षक की कुर्सी को निहारकर।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2250

दिनांक 15-07-2021 दिन गुरुवार

आओ पौध लगायें

आओ! एक पौध लगायें,
मातृभूमि को हरा बनायें।
कदम से कदम मिलायें
सब मिलकर पौध लगायें।।

ताल से ताल मिलायें,
सबका हौसला बढ़ायें।
पर्यावरण प्रदूषण भगायें,
अपना भी जीवन बचायें।।

आओ!आक्सीजन बढ़ायें,
थोड़ी मधुबन महकायें।
चलो कुछ तो काम आयें,
पृथ्वी का जल स्तर बढ़ायें।।

पीपल बरगद नीम लगायें,
औषधि की खान उगायें।
आओ! एक पौध लगायें,
जीवन को सहज बनायें।।

रचना
रामशंकर प्रजापति "अकेला" (स०अ०)
प्रा० वि० सेहियाआमद करारी
सिराथू,कौशाम्बी

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2251

दिनांक 15/07/2021

दिन गुरुवार

हमारा भारत

प्यारा भारत देश हमारा,
अलग-अलग यहाँ वेश है न्यारा।
हिन्दू-मुस्लिम एक है,
भाषा चाहे अनेक है।।

अलग-अलग है रहन सहन,
पर हम सब हैं भाई बहन।
होली और ईद मनाते हैं,
मिलकर हम एक हो जाते हैं।।

भारत में रहते हैं हम,
हम-सब नहीं है किसी से कम।
इस धरती पर बहती गंगा,
सबका मन हो जाता चंगा।।

वीरों के बलिदान से चमका,
हिन्द वतन का तारा।
धन्यवाद है भगवान का,
इस देश में जन्म हुआ हमारा।।

रचना

रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2252

दिनांक 15.07.2021 दिन गुरुवार

स्कूल हमें प्यारा

बच्चों को स्कूल है भाता,
स्कूल खुला सुन दौड़ा आता।
पास-पड़ोस के बच्चों के संग,
करे पढ़ाई खेल सुहाता।।

चित्र बनाओ विज्ञान के,
सामाजिक पढ़ो दिमाग में भर लो।
हिन्दी, अंग्रेजी पढ़कर के,
गणित का भी कुछ काम है कर लो।।

शारीरिक शिक्षा बहुत जरूरी,
स्वच्छता रखे बीमारियों से दूरी।
आस-पास तुम रखो स्वच्छता,
तन-मन स्वस्थ्य की इच्छा हो पूरी।।

मन से पढ़ना, खेल-खेलना,
बुराईयों से तुम दूर ही रहना।
अच्छे बच्चे बन जाओगे,
जीवन में तुम सुख पाओगे।।

अशोक कुमार वर्मा (प्रवक्ता)
चम्पा अग्रवाल इण्टर कालिज
भरतपुर, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2253

दिनांक 15-07-2021 दिन गुरुवार

ताजमहल

आगरा में है अमर प्रेम की शान पुरानी,
देख ताजमहल सबकी आँखें चुधियानी।
इमारत को सात अजूबों में गिनाया जाता है,
है ये शाहजहाँ मुमताज के प्रेम की कहानी।।

आये गये कई मौसम गुजरीं सदियाँ पुरानी,
पर देख इसे आज भी होती है सबको हैरानी।
आखिर बनाया किसने सुन्दर ताजमहल नूरानी,
आते रोज देखने देश-विदेश से हजारों सैलानी।।

पड़ती छाया ताज पर बदलते हैं इसके रंग,
आए इसको जो भी देखने रह जाए दंग।
रात चाँद की दूधिया रौशनी से ये नहाया,
छुपे इसके अन्दर राज, कोई न जान पाया।।

रचना
शालिनी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय बनी
अलीगंज, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

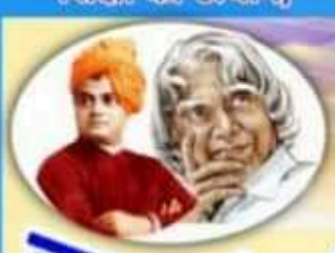

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2254

दिनांक 16.07.2021 दिन शुक्रवार

सूरज दादा

मुझको बतलाओ सूरज दादा!
तुमसे पूछूँ एक सवाल।
गुस्से में रहते हो क्यों?
हरदम तुम लालमलाल।।

सुबह-सुबह निकल पड़ते हो,
क्या माँ से डाँट पड़ती है?
इतनी शैतानी करते क्यों हो?
जो माँ से पिटाई पड़ती है।।

गुस्से में रहते हो हरदम,
पीले-पीले लड्डू से तुम।
सुबह-सुबह ही सज जाते हो,
आसमान की थाली में।।

ठण्डा-ठण्डा शरबत पीकर,
गुस्से को तुम दूर भगाओ।
आइसक्रीम भी खिलवा दूँगा,
ऐसे तो गर्मी ना दिखाओ।।

रचना-

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

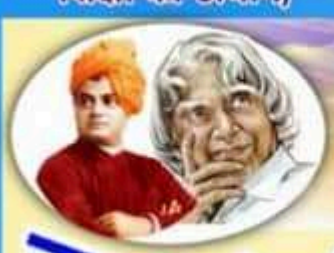

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2255

दिनांक 16/07/2021 दिन शुक्रवार

सपना सुहाना

तर्ज-परदेशियों से न अँखियाँ मिलाना...

चलो पूरा कर लें ये सपना सुहाना...
मिलके सभी लोग एक पौधा लगाना...
चलो पूरा कर लें ये सपना सुहाना...

सच ही कहा है इनको दाता.....
वृक्षों से हर जीव का नाता...
हर गली, हर गाँव इनको उगाना...
चलो पूरा कर लें ये सपना सुहाना...

वृक्षों से मिलती शीतल छाया...
सारे सुखों को वृक्षों से पाया...
मिलता है ऑक्सीजन का खजाना...
चलो पूरा कर लें ये सपना सुहाना...

मिलके सभी लोग एक पौधा लगाना...
चलो पूरा कर लें ये सपना सुहाना...

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

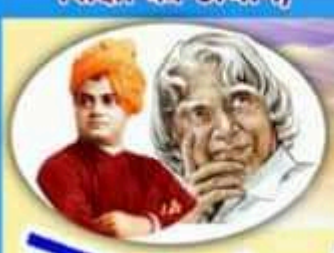

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2256

दिनांक 16/07/2021 दिन शुक्रवार

बैलगाड़ी

बैलगाड़ी, बैलगाड़ी,
दो पहिए की यह गाड़ी।
बैलों द्वारा यह खींची जाती,
दूर तक हमको सैर कराती।।

चूँ-चूँ, चूँ-चूँ आवाज है करती,
जब यह सड़क पर चलती।
थक जाते जब इसके बैल,
फिर रुक-रुक कर है चलती।।

सामान ढ़ोने के काम आती,
हमको नयी-नयी जगह घुमाती।
गाँव में यह हमको दिख जाती,
शहर में यह गुम हो जाती।।

Bullock cart इंग्लिश में,
हिन्दी में बैलगाड़ी है कहते।
इसका अपना अलग मजा है,
हम इसमें मजे हैं करते।।

रचना-
सुगन्धा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि०, दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

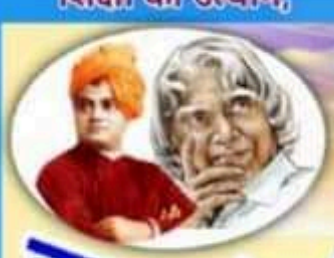

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2257

दिनांक 16.07.2021 दिन शुक्रवार

बच्चे बनते बड़े महान..

जो सूरज को रोज जगाते,
सुबह-सबेरे ही उठ जाते।
सभी बड़ों को शीश झुकाकर,
फिर करते है अपना काम,
वो बच्चे बनते बहुत महान।।

दिनचर्या का पालन करके,
काम समय से जो निपटाते।
मात-पिता, गुरु का आदर कर,
बात बडों की धरते ध्यान,
वो बच्चे बनते बहुत महान।।

करें न बातें लम्बी-चौडी,
नहीं खेलते कंचा-कौडी।
सही-गलत का फर्क जानकर,
भला-बुरा लेते पहचान,
वे बच्चे बनते बहुत महान।।

रचना-
रश्मि उपाध्याय (इ० प्र० अ०)
उ० प्रा० वि० पिथनपुर,
वि० क्षे०- मारहरा (एटा)

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2258

दिनांक 16-07-2021 दिन शुक्रवार

भारत देश महान

भरत का भारत देश महान,
सर्व धर्म के नर-नारी यहाँ।
सबका है आदर सम्मान,
भरत का भारत देश महान।।

संस्कृति यहाँ की है बेमिसाल,
है देश हमारा कृषि प्रधान।
संस्कारों को सब करें प्रणाम,
भरत का भारत देश महान।।

देश की सीमा रक्षा हेतु वीर,
योद्धा करते जीवन कुर्बान।
है मातृभूमि भारत इसका नाम,
भरत का भारत देश महान।।

जन्मे यहाँ महापुरुष, भगवान,
मुक्त कण्ठ से करते हैं सब गान।
यही है मेरे देश की पहचान,
भरत का भारत देश महान।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
उ०प्रा०वि०,मौहकमपुर, इगलास
अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2259

दिनांक 16-07-2021

दिन शुक्रवार

गोल आकृति की अवधारणा

गोल-गोल आँखों से बिल्ली,
दूध-मलाई ताके।
गोल-गोल डण्डे से रामू,
अपने बैल को हाँके।।

गोल-गोल गेंद से खेलें,
चिन्टू, मिन्टू, तारा।
गोल-गोल सूरज इस जग में,
फैलाता उजियारा।।

गोल-गोल रसगुल्ले पर,
सबकी टपके लार।
गोल-गोल कंगन-चूड़ी से,
हर नारी को प्यार।।

टॉफी, रोटी, बर्गर, पिज्जा,
पेड़ा होता गोल।
याद करो और सदा ही बोलो,
बच्चों मीठे-मीठे बोल।।

रचना

दीपा गुप्ता (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय बराखेमपुर
बीकेटी, लखनऊ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

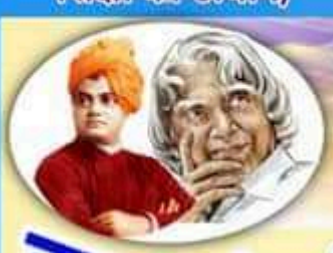

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2260

दिनांक 16.07.2021 दिन शुक्रवार

हलवा-पूरी

माँ मुझको भूख लगी है,
कुछ बढ़िया सा खाऊँगी।
मेरे मन का बना दो खाना,
खाकर पढ़ने जाऊँगी।।

माँ बोली प्यारी बिटिया रानी,
बोलो तुम क्या खाओगी?
जो भी तुम आज कहोगी,
वही आज खिलाऊँगी।।

माँ आज हलवा-पूरी बना दो,
आज वही मैं खाऊँगी।
तुम्हारे हाथों से हलवा-पूरी,
खाकर पढ़ने जाऊँगी।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2261

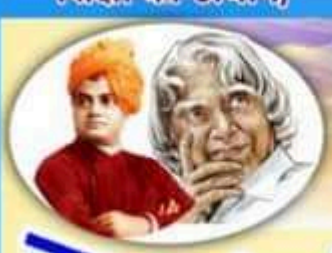

दिनांक 16.07.2021 दिन शुक्रवार

अरूणा आसफ अली

16 जुलाई 1909 कालका में जन्मी,
भारत की ग्रैंड ओल्ड लेडी कहलायी।
अरुणा आसफ अली नाम है उनका,
आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।।

बचपन का नाम अरुणा गांगुली,
और नैनीताल से शिक्षा पायी।
पढ़ने-लिखने में हमेशा से आगे,
शिक्षक की भूमिका निभायी।।

भारत छोड़ो आन्दोलन मुम्बई में,
कांग्रेस का झण्डा फहराया।
लोगों में देश प्रेम जगाकर,
अरुणा ने अपना कर्त्तव्य निभाया।।

लेनिन प्राइस, पद्मविभूषण और,
भारत रत्न पुरस्कार से नवाजी गयी।
29 जुलाई 1996 को वह महान,
देश प्रेमी सदा के लिए अमर हो गयी।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरोधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2262

दिनांक 16.07.2021 दिन शुक्रवार

वो सुबह फिर आयेगी

जब दु:ख के बादल पिघलेंगे,
जब सुख का सागर छलकेगा।
जब अम्बर झूमकर नाचेगा,
जब धरती नगमे गायेगी।।

इन भूखी-प्यासी राहों पर,
एक दिन तो कर्म फरमायेगी।
इन्सानों की इज्जत जब,
झूठे सिक्कों मे न तोली जाएगी।।

ये कहानियाँ कहाँ से आती हैं ?
इसी समाज से, इन्हीं लोगों से।
शायद ये कहानियाँ एक उम्मीद,
एक नजरिया हो, बताने का हम सबसे ।।

लिखा उस समाज के लिए जाता,
जहाँ हम रचे हैं, बसे हैं।
कहानियाँ हमसे ही बनती हैं,
हम इन्हीं में हमेशा फँसे हैं।।

रचना -
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
टनकपुर, चम्पावत

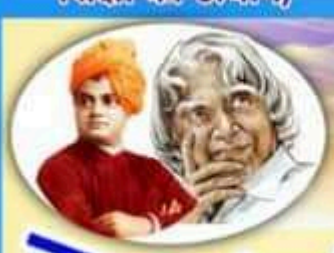

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2263

दिनांक 17/07/2021 दिन शनिवार

लक्ष्य

चाहो तो तुम गढ़ सकते हो,
रोज नए प्रतिमान।
भविष्य तुम्हारे ही हाथों में,
रखना इतना ध्यान।।

अपनी शक्ति, निर्बलता की,
प्रथम करो पहचान।
निर्बलता को दूर भगाकर,
शक्ति का करना उत्थान।।

नहीं असम्भव होगा जग में,
कोई भी स्थान।
लक्ष्य साधकर उसे भेदना,
गर लोगे तुम ठान।।

श्रेष्ठ अभी तक वही कहाये,
लक्ष्य की जिनको थी पहचान।
प्यारे बच्चों! लक्ष्य साधकर,
तुम भी बनना श्रेष्ठ, महान।।

प्रस्तुत
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

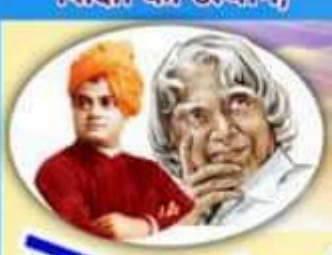

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2264

दिनांक दिन
शनिवार 17/07/2021

बेटियाँ

मेरे घर आयी एक सुन्दर परी,
सभी ने नाम दिया है सुनहरी।
बेटी आयी तो खुशी है छायी,
अपने पापा की छवि है पायी।।

नये रिश्ते सभी को उसने दिये,
कोई दादा बना कोई बना है भाई।
नाना-नानी खुशी से झूम रहे,
मामा-मामी ने बाँटी है मिठाई।।

माँ की सारी पीड़ा पल में हरी,
क्या तेरे पास है जादू की झड़ी।
देखकर अपनी एक नयी सखी,
मधुर मुस्कान उसके अधरों में खिली।।

बेटी के रूप में लक्ष्मी है आयी,
आओ! दें बेटी के जन्म की बधाई।
बेटी को बोझ मत समझो बहनो,
सृष्टि की कर्ता यही है माई।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

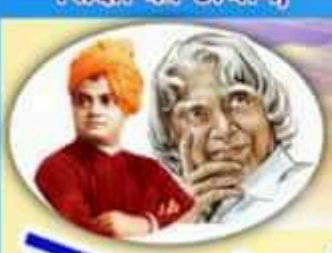

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2265

दिनांक 17/07/2021 दिन शनिवार

सूरज चाचा

मेरे आगमन से मिट जाता,
रात्रि का घोर अँधेरा।
चिड़ियों के कलरव से होता,
प्रतिदिन नया सवेरा।।

मेरी अनन्त अपरिमित ऊर्जा,
जन-जन को जीवन देती।
पृथ्वी के कोने-कोने का,
सारा तम हर लेती।।

रवि, भानु, आदित्य, सूर्य,
दिनकर और दिवाकर।
मेरे नाम, पतंग, दिनेश,
भास्कर और प्रभाकर।।

पृथ्वीवासी मुझे प्रेम से,
सूरज चाचा कहते।
करते मुझको नमस्कार,
सदा निरोगी रहते।।

रचना-
हरवंश श्रीवास्तव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बंसीडेरा
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2266

दिनांक 17/07/2021 दिन शनिवार

बारिश में सावधानी

बारिश लगती सबको प्यारी,
लाती खेतों में किलकारी।
लेकिन बारिश साथ में लाती,
छोटी-बड़ी कई बीमारी।।

इस समय कुछ बातों को,
सभी अपने ध्यान में धरना।
अदरक, तुलसी, काली मिर्च का,
सेवन अपने भोजन में करना।।

हल्का ताजा सुपाच्य भोजन,
घर में बनवा कर ही खाना।
कटे-फटे फल-सब्जी को,
तुम भूले से भी ना खाना।।

देते कई बीमारी अक्सर,
इनसे रहना तुम बचकर।
रूकने ना दे बारिश का पानी,
स्वच्छ होवे पीने का पानी।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2267

दिनांक 17/07/2021 दिन शनिवार

जीवन

जीवन के कुछ हुनर,
हमने औरों से सीखे हैं।
काम सदा वो ही आए,
जो हम खुद से सीखे हैं।।

जीवन में गिरना-उठना,
ये भी एक नियति है।
जो इसको समझ गया,
उसकी मित्र प्रकृति है।।

जीवन जीना एक कला है,
सब रंगों का ये मेल है।
हार-जीत से हर पल सीखो,
यह जीवन का खेल है।।

कभी मनोबल गिर ना पाए,
ध्यान सदा ये रखना है।
गिर जाएँ चाहे लाख बार भी,
फिर भी आगे बढ़ना है।।

रचना-
अंशिका शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय नौजरपुर,
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2269

दिनांक 17.07.2021

दिन शनिवार

हिम्मत न हारना

हिम्मत न हारना दोस्तो,
हौसला बनाये रखना है।
माना कि दिन भी अभी,
काली रातें लगने लगा है।।

दूर हो गया है,
अपना ही अपनों से,
फासला हो गया है,
कदमों का कदमों से।।

पर जिस तरह हर पतझड़ के बाद,
फिर खिल उठती हैं कलियाँ।
लौट आएगी फिर से रौनक,
चहचहायेंगी हर गलियाँ।।

अमावस्या के काले,
दिन हटेंगे जरूर।
पूर्णमासी की दूधिया,
रोशनी छायेगी जरूर।।

रचना -
दया उपाध्याय (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० उरई
कनालीछीना, पिथौरागढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2268

दिनांक 17.07.2021 दिन शनिवार

परियों की कहानी

प्यारी नानी मुझे सुना दो,
परियों की तुम एक कहानी।
जिसमें सुन्दर पंखों वाली,
हो एक परियों की रानी।।

सखियों के संग बागीचे में,
खेले वह परियों की रानी।
कभी तितलियों के पीछे दौड़ें,
सारी परियाँ होकर दीवानी।।

एक सुन्दर-सा राजकुमार भी,
जिसमें घोड़े पर सवार हो आये।
परियों की रानी से कर शादी,
उसको अपने संग ले जाये।।

आसमान में उड़ते दोनों पहुँचें,
राजकुमार के राजमहल में।
परी जादू की छड़ी घुमाये तो,
पहुँच जायें वो किसी जंगल में।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

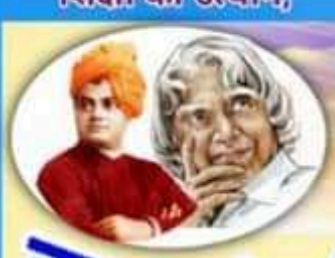

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2270

दिनांक 17-07-2021

दिन शनिवार

शिक्षा की अलख जगाना है

शिक्षा की नयी अलख जगाना है,
नवसृजन कर फिर दिखलाना है।
नन्हे-मुन्नों का भविष्य बनाना है,
ई-पाठशाला फिर चलाना है।।

हर प्रयोग विधि को अपनाना है,
अभिभावकों को ज्ञान कराना है।
नई मंजिल नए मुकाम को पाना है,
शिक्षा के प्रति प्रेम उनका बढ़ाना है।।

मुश्किलो में कन्धे से कन्धा मिलाना है,
फिर से शिक्षा का मान बढ़ाना है।
गौरवशाली राष्ट्र भारत को बनाना है,
सादगी से अशिक्षा को मिटाना है।।

मिशन प्रेरणा का लक्ष्य पाना है,
अक्षर ज्ञान से अक्षज तक ले जाना है।
रास्ता कठिन है, सरल ज्ञान से बनाना है,
जीवन काँटों भरा हुआ, फूलों से सजाना है।।

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय जौरा
औरैया

9458278429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

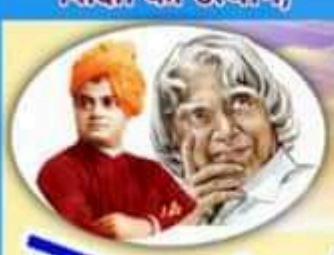

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2271

दिनांक 17.07.2021 दिन शनिवार

मातृभाषा

मातृभाषा हमारी सहज सरल है,
होते इसमें भाव प्रबल हैं।
उमंग हृदय में भरने वाली,
हिन्दी भाषा तो अविरल है।।

माँ सी ममता देने वाली,
सबको समता देने वाली।
हृदयों में करुणा उपजाती,
समरसता का भाव जगाती।।

हिन्दी
मातृभाषा

भारत माँ की शान है हिन्दी,
हम सबकी पहचान है हिन्दी।
हिन्दी है जन-जन की भाषा,
गौरव और सम्मान है हिन्दी।।

देवनागरी लिपि है इसकी,
प्रेम सूत्र में हमें पिरोती।
इसके प्रति सम्मान जताते,
14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाते।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2272

दिनांक 19.07.2021 दिन सोमवार

विजय पथ

चलना बड़ा है कठिन,
इस विजय पथ पर।
शूल ही शूल और पत्थर,
बिछे सर्वत्र राह पर।।

जो डिगा नहीं कभी,
चलते-चलते इस पर,
मिल जाते हैं पुष्प,
पहुँच कर लक्ष्य पर।।

जो करे परिश्रम कठिन,
रात-दिन एक कर।
पा जाता है आराम,
पँहुच कर शिखर पर।।

जो करता निरन्तर,
प्रयास हार-हार कर।
मिल जाती है जीत,
कभी-किसी मोड़ पर।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

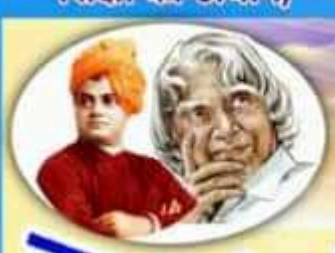

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2273

दिनांक 19/07/2021 दिन सोमवार

युवा शक्ति

युवा शक्ति को सबने माना,
इसकी ताकत को पहचाना।
है युग परिवर्तन का जोश,
अब है हमने स्वयं को जाना।।

सतत विकास के लक्ष्य,
बिना हमारे पूरे ना हो।
विश्व समाज की रीढ़ हम,
हम से ही राष्ट्र निर्माण हो।।

अमूल्य है सम्मान देश का,
युवाओं ने किया है सिद्ध।
युवारत्न ही थे सुखदेव,
राजगुरु और भगत सिंह।।

होगा भारत भी आत्मनिर्भर,
जब हम आत्मनिर्भर बनें।
स्किल डेवलपमेंट का,
आओ! आज हम प्रण लें।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

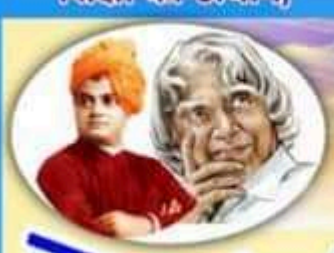

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
2274
दिनांक 19.04.2021
दिन सोमवार

अजवाइन

अजवाइन पेट की बीमारियों,
के लिए रामबाण इलाज होता।
पेट दर्द, उल्टी, खट्टी डकार,
एसिडिटी इससे सब दूर होता।।

सर्दी, जुकाम, ठण्ड को दूर,
भगाने में प्रयोग किया जाता।
काला नमक व सूखे अदरक,
संग पीसकर चूर्ण बनाया जाता।।

पौधे की रोपाई बीज और,
पौध दोनों से होती है।
उष्ण कटिबंधीय जलवायु,
में फसल इसकी होती है।।

इसका वैज्ञानिक नाम,
ट्रेक्स्स्पर्मम होता है।
भारत के कई राज्यों में,
उत्पादन इसका होता है।।

रचना- माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
वि० क्षे०- सरधना, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।
9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

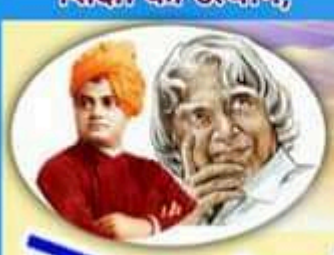

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2275

दिनांक 19/07/2021 दिन सोमवार

समय का ध्यान

पढ़ो-लिखो बनो विद्वान,
खेलो-कूदो बनो पहलवान।
लेकिन करना सब एक काम,
रखना सदा समय का ध्यान।।

नैतिक बनो-सामाजिक बनो,
करो सब मानव कल्याण।
लेकिन करना सब एक काम,
रखना सदा समय का ध्यान।।

परोपकारी बनो-हितकारी बनो,
समझो सबको एक समान।
लेकिन करना सब एक काम,
रखना सदा समय का ध्यान।।

सोचो-समझो फिर करो काम,
जग में करो अपना नाम।
लेकिन करना सब एक काम,
रखना सदा समय का ध्यान।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

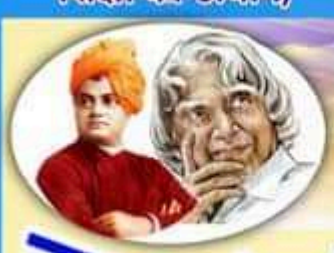

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2276

दिनांक 19.07.2021 दिन सोमवार

गरजे मेघराजा

नील गगन में मेघ उमड़ आये,
छा गयी काली घनघोर घटाएँ,
हो रही मूसलाधार बारिश,
बह रही हैं स्वच्छन्द हवाएँ।।

इन्द्रधनुषी छटा की आभा छाये,
घुमड-घुमड कर बादल आये।
बरसकर बदरा पहुँचे धरा पर,
मौसम बड़ा सुहावना हो जाए।।

धरा की सारी तपिश मिटाये,
निर्मल, शीतल धरा हो जाए।
बरस कर गरजे मेघराजा,
नदी, सरोवर नीर से भर जाएँ।।

खग, विहग, जनमानस, चौपाये,
बरसात में सब झूमें इठलायें।
खेत-खलिहान, तरु-लता, मैदान,
चहुँ ओर हरियाली छा जाए।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2277

दिनांक 19-07-2021 दिन सोमवार

नमन

बेसिक के प्यारे विद्यार्थियों,
मान बढ़ाया आपने बारम्बार।
प्रथम नमन है उन शिक्षकों को,
कठिन परिश्रम करते हैं लगातार।।

द्वितीय नमन है मिशन को अपने,
जिससे बच्चों का मार्ग बना।
प्रशस्ति मिली है मेधावियों को,
ज्ञान का सदैव बढ़ता रहे तना।।

तृतीय नमन है अभिभावकों को,
आँगन में जिनके ज्ञान पला।
अपनी बगिया के फूलों से
सारा वन महके समझा भला।।

चतुर्थ नमन मेरे छात्रों का,
गुरुओं का जिन्होंने मान बढ़ाया।
चार चाँद लगाये जनपद को,
बेसिक का सदा मान बढ़ाया।।

रचना

गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2278

दिनांक 19.07.2021

दिन सोमवार

मेरी इच्छा

भारत माता आओ ना,
इस बीमारी को भगाओ ना।
हम सब बच्चे घर में बैठे,
हमें स्कूल बुलाओ ना।।

घर पर बहुत ही गन्दा लगता,
हमें स्कूल में अच्छा लगता।
पढ़ना लिखना चाहते हैं हम,
स्कूल आना चाहते हम।।

रचना - कु० अक्षिता (छात्रा)
कक्षा- 5
रा० प्रा० वि० जैली
जखोली, जनपद- रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2279

दिनांक 20/07/2021 दिन मंगलवार

बचपन

जीवन में हम कुछ भी भूलें,
पर नहीं भुला पाते बचपन।
चाहे हो हम साठ साल के,
चाहे हो हम पचपन।।

बचपन के वो खेल निराले,
कूदे फिरें घर-आँगन में।
झूमे जैसे तरु की डाली,
झूम रही हो उपवन में।।

हर रिश्ता लगता था अपना,
चाहे घर हो या बाहर।
सबको कहते काका, दादा,
चाहे हो घर का नौकर।।

लौट कभी ना आता बचपन,
इसको मन भर जी लो तुम।
यही तो है जीवन अमृत रस,
भर-भर प्याले पी लो तुम।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2280

दिनांक 20.07.2021 दिन मंगलवार

मैं बेटी हूँ तेरी..

मत गर्भ में मारो माँ, मैं बेटी हूँ तेरी,
संसार में आने दो माँ, मैं बेटी हूँ तेरी।

हर बात तेरी मैया, स्वीकार करूँगी मैं,
सबकी सेवा करके, सत्कार करूँगी मैं।
दुःख सब सह लूँगी माँ, मैं बेटी हूँ तेरी,
संसार में आने दो माँ, मैं बेटी हूँ तेरी।।

पढ़-लिख कर दुनिया में, तेरा नाम करूँगी मैं।
अंतरिक्ष में जाकर के, इतिहास गढ़ूँगी मैं।।
तुझे गर्वित कर दूँगी, मैं बेटी हूँ तेरी।
संसार में आने दो माँ, मैं बेटी हूँ तेरी।।

विशाखा द्विवेदी (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० चित्रवार,
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2281

दिनांक दिन

20/07/2021 मंगलवार

मेरी अम्मा

अम्मा तुम जग से न्यारी हो,
बहुतै सुन्दर औ प्यारी हो।
सारे जीवन की अमिट छाप,
मेरे जीवन की गाड़ी हो।।

संघर्षों से तुमने पाला है,
जीवन में सदा उजाला है।
चलती आँधी का दीप सरस,
जो कभी न बुझने वाला है।।

तुम सीधी-साधी सरल रूप,
तुम साथ रहो, न लगे धूप।
तुम अविरल धारा, पुष्प गुच्छ,
तुम हो बिल्कुल देवी स्वरुप।।

संघर्षों का था संस्कार,
बोली विनम्र व मधुर प्यार।
हूँ संस्कार से धन्य सदा,
इसलिए सफलता लगी पार।।

अनिल कुमार (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० तेलियानी (प्रथम)
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2282

दिनांक 20.07.2021 दिन मंगलवार

मिठाई..

मौका खुशी का होने पर,
खाते हैं जो मिठाई।
कई-कई रंगों की होती,
बनाता जिसको है हलवाई।।

काजू से बनती काजूकतली,
रस से भरी है रसमलाई।
गोल-गोल होते हैं लड्डू,
मुँह में पेड़ा, मिठास आई।।

उलझी हुई जलेबी होती,
कई तरह की होती बर्फी।
सावन में खाते हैं घेवर,
इमरती हमको बहुत है भाई।।

तिल से बनती कई गजक,
गुलाब जामुन लाई है ताई।
छैना सबको बहुत पसन्द,
खाया सबने ढाई-ढाई।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर,
निधौलीकलां, जनपद- एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2283

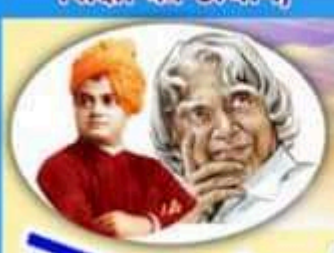

दिनांक 20-07-2021 दिन मंगलवार

ई-पाठशाला की पोटली

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ओ,
ई-पाठशाला की पोटली खोलो।
इसमें से अंग्रेजी सीखो,
सुन-सुन कर अंग्रेजी बोलो।।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ओ,
इस पोटली को रोज-रोज खोलो।
देख-देख कर खूब लिखो,
लिख-लिख कर फिर याद करो।।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ओ,
अनमोल धन शिक्षा को मानो।
इस धन बिन जीवन फीका है,
हर हाल शिक्षा लेने की ठानो ।।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ओ,
शैक्षिक एप उपयोगी जानो।
नत-नत हो गुरूओं से सीखो,
गुरूओं की बातों को मानो।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

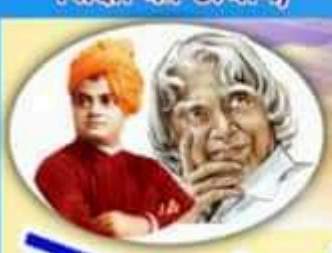

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2284

दिनांक 20/07/2021 दिन मंगलवार

बेटियाँ

घर की शोभा हैं ये बेटियाँ,
पिता का अभिमान बेटियाँ।
देश की प्रतिष्ठा ये बेटियाँ,
कुल की शान हैं बेटियाँ।।

रखती हैं माता-पिता को,
खुश और प्रसन्न ये सदा।
करती न कभी भी उन्हें,
बेटियाँ खुद से जुदा।।

हर दुःख माता-पिता का,
हरदम वो बाँटती हैं।
करती हैं इच्छायें पूरी,
कोई बात न काटती हैं।।

प्रार्थना है ऊपर वाले से मेरी,
रखना बेटियों को सदा सुखी।
रहें ये हरदम हँसती-मुस्कुराती,
कभी जीवन में न हो दुःखी।।

रचना-
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2285

दिनांक 20-07-2021

दिन मंगलवार

बच्चों का अधिकार

पढ़ने क्यूँ नहीं बच्ची आती,
हाल पता करने घर जाती।
बार-बार उस घर से,
यही जवाब मैं पाती।।

माँ गयी है खेत को उसकी,
बना रही वह रोटी।
घर के संग-संग देखे वह,
अपनी बहना छोटी।।

अभिभावक मीटिंग में अबकी,
सबको है समझाना।
बच्चे कैसे करें तरक्की,
सबको है बतलाना।।

अच्छा भोजन अच्छी शिक्षा,
बच्चों का अधिकार।
गाँठ बाँध लो सभी यही,
करना ना अब अत्याचार।।

रचना
सरिता तिवारी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय कन्दैला
मसौधा, अयोध्या

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2286

दिनांक 20/07/2021

दिन मंगलवार

ओ माई!

ओ माई! मेरी क्यों रोती हो?
आँख से दरिया बहाती हो।
मैने जो तुझसे बरताब किया,
उसका ये पछतावा है बेटी।।

मैनें जो पाप किया है,
बेटे को सारा प्यार दिया।
उसका ये पछतावा है,
ओ मेरी! प्यारी बिटिया।।

मुझको माफ कर देना बेटी,
मैने तुझको प्यार नहीं किया।
बेटे के ऊपर सारा है लुटाया,
उसका ये पछतावा है बिटिया।।

ओ माई! मेरी क्यों बेटे को?
इतना तुने प्यारा किया।
जिसको इतना प्यार किया,
उसी ने तुझको आज मार दिया।।

रचना

अवंशिका सिंह (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

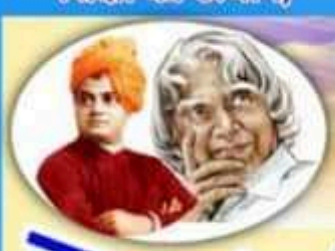

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2287

दिनांक 20-07-2021 दिन मंगलवार

मिशन सिपाही

तर्ज-कोठे ऊपर कोठरी

हम हैं मिशन सिपाही भैया,
हम गीत मिशन के गायेंगे।

नये-नये नवाचारों से,
शिक्षा आसान बनायेंगे।
गीत, कहानी, खेल-कूद से,
बच्चों को सहज बनायेंगे।
हम हैं मिशन सिपाही......

आँधी आये तूफाँ आये,
ना पीछे कदम हटायेंगे।
भारत माँ के आँगन में,
शिक्षा के दीप जलायेंगे।
हम हैं मिशन सिपाही.....

मित्र प्रकृति बनकर के हम,
धरा पर वृक्ष उगायेंगे।
अपनी धरती माँ को हम,
चुनरी हरी ओढ़ायेंगे।।
हम हैं मिशन सिपाही........

फले-फूले परिवार हमारा,
मिलकर कसम उठायेंगे।
हाथ से हाथ मिलाकर हम,
एकता की शक्ति दिखायेंगे।
हम हैं मिशन सिपाही.......

आदरणीय गुरु जनों को हम,
अपना आदर्श बनायेंगे।
चल उनके पद चिन्हों पर,
देश का मान बढ़ायेंगे।।
हम हैं मिशन सिपाही.

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

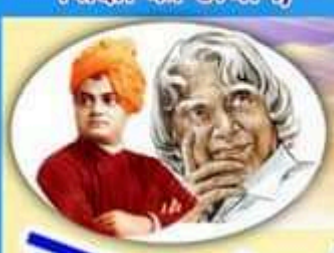

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2288

दिनांक 20.07.2021 दिन मंगलवार

बाल-अभिलाषा

जब हम होंगे बड़े देश हमारा,
सुन्दर और निर्मल हो जाएगा।
दिलों से नफरत मिटा देंगे हम,
खुशहाली का रंग चारों ओर छाएगा।।

इसकी बागडोर जरा हमारे नन्हे,
और कोमल हाथों में आने दो।
छोटे-छोटे पैर हमारे जीवन के,
कठिन पथ पर टिक जाने दो।।

गाँधी, नेहरू और सरोजनी,
बन देश में उन्नति जरूर लाएँगे।
भारत का झण्डा ऊँचा लहराकर,
बंजर भूमि में फूल खिलाएँगे।।

धर्म-जाति का भेद मिटाकर,
देश-प्रेम का भाव जगाएँगे।
नयी चेतना और स्फूर्ति के साथ,
मानव धर्म निःस्वार्थ निभाएँगे।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2289

दिनांक 20-07-2021 दिन मंगलवार

क्या-क्या गोल?

सूरज गोल, चन्दा गोल,
तारे गोल, धरती गोल।
गोल कलाई, चेहरा गोल,
छिद्र नासिका के दो गोल।।

बेलन गोल, रोटी गोल,
गेंद और फुटबॉल भी गोल।
खेलो बच्चों इनसे रोज,
ढक्कन, डिबिया, पहिया गोल।।

ढपली गोल, ताला गोल,
बल्ब, कड़ा और लट्टू गोल।
थाली, टंकी, बर्तन गोल,
लड्डू और रसगुल्ला गोल।।

मुँह खोलो तो लगता गोल,
आँखें दोनों अपनी गोल।
और बताऊँ मैं क्या तुमको,
तुम्हीं बताओ क्या-क्या गोल?

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2290

दिनांक 20 जुलाई 2021
दिन मंगलवार

मनभावन सावन

धरा की तृष्णा को बुझाने,
बच्चों को बूँदों से नहलाने।
मनभावन मौसम आ गया,
अरे! देखो सावन आ गया।।

झूम उठा मयूर का मन,
जब देखे मनभावन घन।
चिड़ियाँ सारी चहक उठीं,
फुलवारी फूलों से महक उठीं।।

प्रकृति सुन्दर सज गयी,
हरियाली की चादर तन गयी।
बहनें हमारी झूला, झूलें,
लग रहे हैं सावन के मेले।।

रचयिता-
सुमन शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- गढ़ी माली
छाता, मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2291

दिनांक 20/07/2021 दिन मंगलवार

सूर्य की किरण

नव सूरज नव दीप जगाया,
अँधियारे को दूर भगाया।
मधुर स्वर में चिड़िया गाई,
मन में प्रीत अलख जगायी।।

अब नया कुछ करके प्यारे,
मुँह धोकर खा लो प्यारे।
मीठे-मीठे स्वर गान से,
भगवान की भक्ति कर लो न्यारे।।

रचना :-
शोभा दुर्गापाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० देवकाधूरा
वि०ख०- भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

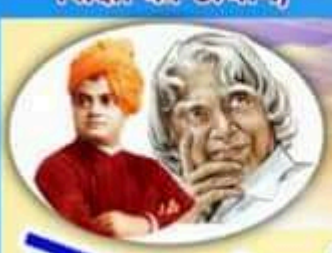

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2292

दिनांक 21/07/2021

दिन बुधवार

दहाड़ कर बढ़ो

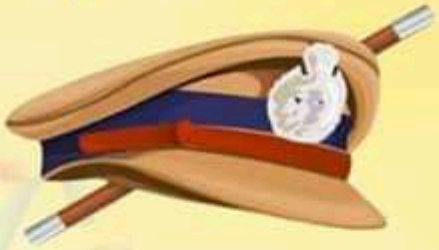

बढ़ाओ अपना कद कि,
वन में ताड़ बन बढ़ो।
आए जो सिंह सामने
दहाड़ कर बढ़ो।।

बढ़ाए जाओ तुम कदम,
डरो ना हार से।
शत्रु का मुकाबला,
करो प्रहार से।।

सुने ना कोई बात तो,
चिंघाड़ कर बढ़ो।।
आए जो सिंह सामने
दहाड़ कर बढ़ो।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2293

दिनांक 21.07.2021 दिन बुधवार

हरियाली और खुशहाली

आओ लोक संस्कृति का पर्व मनायें,
हर दिन को हरेला दिवस मनायें।
खुशहाली जीवन में लायें,
माँ वसुन्धरा का रुप सजायें।।

पेड़ों से हमें छाया मिलती,
मिलता ईंधन और चारा भी।
स्वच्छ हवा और फल मिलते,
मिलता जल और जीवन भी।।

प्राण वायु है हमें बचाती,
सबको ये है शपथ दिलाती।
बाँज, बुरांश, पीपल से,
फिर से अपनी धरती सजाती।।

आओ लोक संस्कृति का पर्व मनायें,
हर दिन को हरेला दिवस मनायें।

रचना-
सरिता बमराड़ा (स०अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि० ताल
वि०ख०- पाबौं, पौड़ी-गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

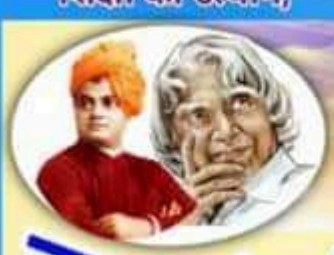

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि

2294

दिनांक 21/07/2021 दिन बुधवार

गिलोय

कलयुग की संजीवनी बूटी,
गिलोय है जिसका नाम।
सौ मर्जों की एक दवा है,
ज्वर मिटाना है इसका काम।।

पान से पत्ते प्यारे-प्यारे,
सेहत और सुन्दरता निखारती।
गुण है इसके अमृत जैसे,
इसलिए अमृता भी कहलाती।।

टीनीस्पोरा कार्डिफोलिया,
अंग्रेजी में यह कहलाती।
बैक्टीरिया से लड़ जाती ,
रोग प्रतिरोधकता बढ़ाती।।

कोरोना महामारी में भी,
यह सबसे हितकारी है।
घर के हर आँगन में भी,
अब इसकी बेल निराली है।।

रचना-

अंजली गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय चिल्ली
बडोखर खुर्द, बाँदा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

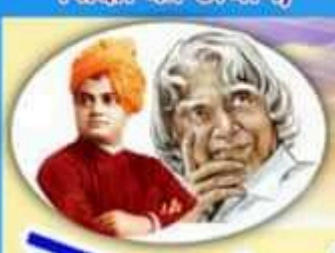

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2295

दिनांक 21.7.2021 दिन बुधवार

बाल गतिविधि

एक चिरैय्या छोटी-छोटी,
दो हैं छोटे पाँव।
तीन तिलोरी डाल पे बैठी,
चार बजे थीं गाँव।।

पाँच बजे थे उड़े कबूतर,
छः कोस रहते वे दूर।
सात लोग थे बस के अन्दर,
आठ हाथ पर दूर।।

नौ-नौ पेड़ लगाओ भैया,
दस-दस बचा रुपैया।
एक-एक कर गिनते जाओ,
बैठ नीम की छैया।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2296

दिनांक 21-07-2021 दिन बुधवार

संस्कार के फूल

संस्कार के फूल सदा हमें,
घर आँगन में खिलाना हैं।
रिश्तों के काँटे सदा हमें,
उसी आँगन से मिटाना हैं।।

हर रिश्ते को सदाचार से,
हमको हर बार बचाना है।
कितना भी मन खट्टा हो,
हर रिश्ता हमें निभाना है।।

प्यार, मुहब्बत, शिष्टाचार,
जीवन भर अपनाना है।
खुशियों भरी जमीं अपनी,
अम्बर भी स्वर्ग बनाना है।।

खिलें फूल फिर संस्कारों के,
हर मन की बगिया सजाना है।
रहे धरा खुशियों से हरी-भरी,
अम्बर को भी चमन बनाना है।।

रचना

सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय जौरा
औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2297

दिनांक 21/07/2021 दिन बुधवार

चिड़िया रानी

चिड़िया रानी-चिड़िया रानी,
आओ सुनाऊँ तुम्हें कहानी।
आओ बिखरे दाने खाओ,
आँगन में है दाना पानी।।

लगती हो तुम बड़ी सयानी,
करती हो इतनी शैतानी।
बात नहीं मेरी सुनती हो,
बस करती अपनी मनमानी।।

बहुत मेहनती बात ये जानी,
कलाकारी भी सबने मानी।
तिनके चुन घोंसला बनाती,
कोई नहीं तुम्हारा सानी।।

चीं-चीं,चूँ-चूँ तुम्हारी वाणी,
तुम तो हो जानी पहचानी।
इतना दौड़ाया है तुमने,
याद आ गयी मुझको नानी।।

रचना-
अनुपमा यादव(स०अ०)
प्रा०वि०जिरसमी प्रथम
वि०क्षे०-शीतलपुर,एटा

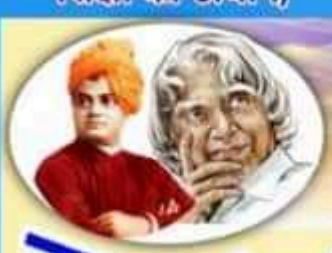

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन का व्यांजलि

2298

दिनांक 22-07-21 दिन गुरुवार

नारी

हर नारी को मान मिले,
मान मिले, सम्मान मिले।
अधिक नहीं पर कम भी ना हो,
पुरुषों सा अधिकार मिले।।

बाजारों में सजती आयी,
मोल-भाव जो बिकती आयी।
तन से ऊपर उठकर उसको,
कोई नई पहचान मिले।।

जिससे सृष्टि चलती आयी,
लेकिन कोख में मरती आयी।
उस अजन्मी बेटी को भी,
अब तो जीवन दान मिले।।

बिंदिया, चूड़ी, पायल, बिछिया,
जिसने पति नाम श्रंगार किया।
उस विधवा के श्वेत वसन को,
क्यों ना रंगों का उपहार मिले।।

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

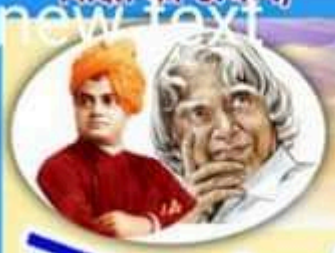

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

का व्यांजलि

2299

दिनांक 22.07.2021

दिन गुरुवार

राष्ट्रीय मैंगो दिवस

22 जुलाई को 'राष्ट्रीय आम दिवस' या,
'मैंगो दिवस' के रूप में मनाया जाता।
आम एक स्वादिष्ट और पौष्टिक,
फल है यह सब को बताया जाता।।

कच्चा हो या पका आम, दोनों तरीके,
से लोग इसे खाना बहुत पसन्द करते।
इसलिए लोग पसन्दीदा फलों की सूची,
में आम को सबसे ऊपर रखते।।

आम से मैंगो शेक, स्मूधी, मैंगो केक,
आइसक्रीम आदि व्यन्जन बनाए जाते।
जो खाने में बहुत ही स्वादिष्ट और,
जो सभी को काफी पसन्द आते।।

आम की संस्कृति और पोषण के बारे,
में बताने के लिए यह दिवस मनाते।
और आम भारत का राष्ट्रीय फल है,
यह बात हम सभी को बताते ।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा, प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि 2300

दिनांक 22/07/2021 दिन गुरुवार

ताजमहल

आगरा में बना एक महल,
नाम उसका ताजमहल।
दुनिया के सात अजूबों में,
बसा सभी की रूहों में।।

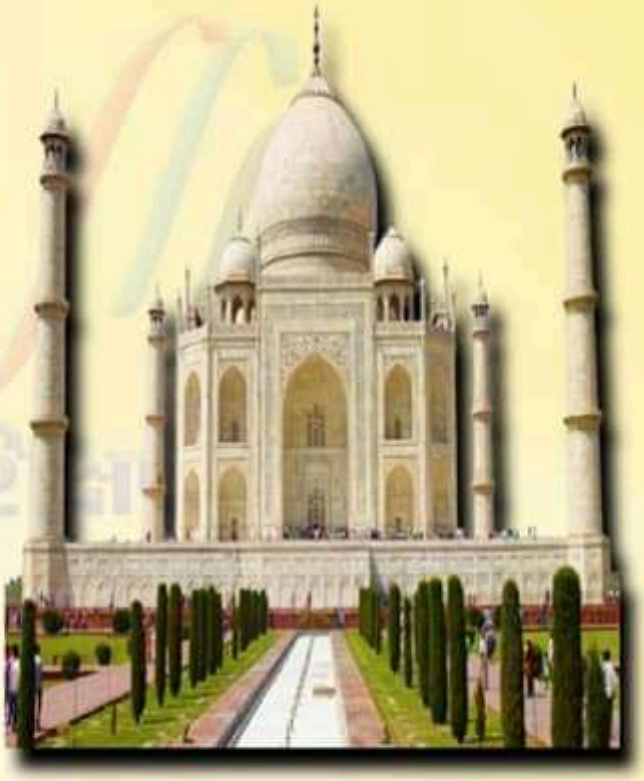

मुमताज की याद में,
प्यार की सौगात में।
जमुना जी के तीर पर,
शाहजहां की जागीर पर।।

जड़े इसमें पंजाब के हीरे,
राजस्थान का संगमरमर।
सिंहल की सिपास्लाजुली मणि,
तिब्बत की मणि नीलम।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना-

अंजू गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

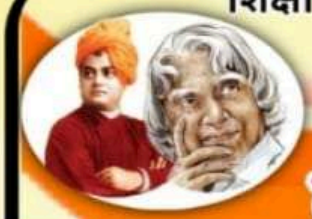

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429